अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा का मुख पत्र

₹5

श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका

सामाजिक चेतना एवं जागरूकता के लिये सजग मासिक पत्रिका

(पल्लीवाल, जैसवाल, सैलवाल सम्बन्धित जैन समाज)

अंक 7 ✦ प्रकाशन तिथि : 25 जनवरी 2020 ✦ वर्ष 8 ✦ कुल पृष्ठ 44 ✦ मूल्य ₹5

तृतीय पुण्य तिथि पर
सादर श्रद्धांजलि एवं शत्-शत् नमन

स्व. श्री स्वरूप चन्द जी जैन (मारसन्स)
(19 अगस्त 1927 – 31 अगस्त 2016)

जैन समाज के लिये आपका योगदान एवं समाज को एक सूत्र में बांधे रखने का अन्तिम सन्देश सदैव स्मरणीय रहेगा।

आपका प्रेरणामय जीवन हमारे लिए सदैव पथ प्रदर्शक रहेगा।

MARSON'S
ISO 9001:2000 CERTIFIED COMPANY

समस्त परिवारीजन
स्टाफ एवं कर्मचारीगण

MARSON'S ELECTRICAL INDUSTRIES
(Prop. MEI Power Pvt. Ltd.)
www.marsonselectricals.com • E-mail : info@marsonselectricals.com
1/189, Delhi Gate, Civil Lines, Agra-282002 (India)
Ph : +91-562-2520027, 2850812 • Fax : +91-562-2851306
Works :
Mathura Road, Artoni, Agra - 282007 (India)
Ph : +91-2641448, 2642327-28 • Fax : +91-562-2641435

TRANSFORMERS EXPORTED TO OVER 15 COUNTRIES

सामाजिक चेतना एवं जागरुकता के लिये सजग

श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा का मुख पत्र

(पल्लीवाल, जैसवाल, सैलवाल सम्बन्धित जैन समाज)

email : shripalliwaljain.patrika@gmail.com

मूल्य ₹ 5/-

अंक 7 ✦ 25 जनवरी 2020 ✦ वर्ष 8

कुल पृष्ठ : 44

पूर्व प्रकाशन मथुरा से, सम्प्रति जयपुर से प्रकाशित

महासभा पदाधिकारी

श्री आर.सी. जैन *(अध्यक्ष)*
(सेवानिवृत्त आई.ए.एस.)
एन-19, आदिनाथ नगर, जे.एल.एन. मार्ग,
जयपुर (राज.)-302018
मोबा. : 9414279070, 9829999335
E-mail : rcjainras@gmail.com

श्री राजीव रतन जैन *(महामंत्री)*
301-ए, सुख सागर अपार्टमेन्ट, 4, जानकी नगर मेन,
इन्दौर (म.प्र.)-452001, मोबा.: 9425110204
E-mail : jainrajeevratan@gmail.com

श्री अजीत जैन *(अर्थमंत्री)*
1द39, काला कुंआ हा.बोर्ड, अलवर (राज.)-301002
फोन : 0144-2360115, मोबा.: 9413272178
E-mail : akjain2021@yahoo.in

पत्रिका प्रबन्ध एवं सम्पादक मण्डल

डॉ. अनुपम जैन *(परामर्शदाता)*
'ज्ञानछाया', डी-14, सुदामानगर, इन्दौर-452009
फोन : 0731-2797790, मोबा.: 9425053822
E-mail : anupamjain3@rediffmail.com

श्री चन्द्रशेखर जैन *(संयोजक)*
86, मगन विला, श्री विहार कॉलोनी, होटल क्लार्क
आमेर के पीछे, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर-302018
फोन : 0141-2553272, मोबा.: 9829134926
E-mail : csjain30@yahoo.co.in

श्री प्रकाश चन्द जैन *(सम्पादक)*
78, बैंक कॉलोनी, महेश नगर विस्तार ''बी''
गोपालपुरा बाईपास, जयपुर-302015
मोबा.: 9828374013
E-mail : pcjain49@gmail.com

श्री पारस जैन गहनौली *(सह-सम्पादक)*
बी-204बी, 10-बी स्कीम, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर-302018, मोबा.: 9928715869

श्री महेश चन्द जैन *(अर्थ संयोजक)*
36-सी, कृष्णा विहार विस्तार, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर-302015, मोबा.: 9828288830
E-mail : 3466mahesh@gmail.com

संपादक की कलम से ...

दिसम्बर 2019 के पत्रिका के अंक में महासभा के भू.पू. महामंत्री श्री अशोक कुमार जैन द्वारा अखिल भारतीय पल्लीवाल महासभा के प्रणेता डॉ0 क्रान्ती कुमार जैन से लिया गया साक्षात्कार प्रकाशित हुआ। भू.पू. महामंत्री श्री अशोक कुमार जैन द्वारा प्रस्तुत साक्षात्कार यह सोचने को मजबूर कर देता है कि वर्तमान महासभा की गतिमान स्वरूप में लाने के लिए व समाज को संगठित करने के लिए कितने त्याग किये व प्राण प्रण से प्रयास किये गये।

पल्लीवाल समाज को संगठित करने व एक सूत्र में बांधने के लिए, आपस में भाईचारा उत्पन्न करने के लिए, समाज के सर्वांगीण विकास के लिए सहयोग बढ़ाने के लिए प्रयास किये आज उसी का परिणाम है कि समाज को एक सूत्र में जोड़ने के लिए अ.भा.प. जैन महासभा अस्तित्व में आयी।

आज समाज में शिक्षा का उच्चस्तर पर विकास हो रहा है पल्लीवाल जैन युवक युवतियाँ शिक्षा के क्षेत्र में काफी आगे बढ़ चुके है। समाज में शिक्षा, भौतिक सुख समृद्धि का भी तीव्र विकास हुआ है। परन्तु इन विकास के साथ साथ हमारे सामाजिक मूल्यों का भी ह्रास हुआ है। देखने में आया है कि संयुक्त पारिवारिक व्यवस्था चरमरा कर एकल परिवार का चलन बढ़ गया है। जिससे बच्चों के सामाजिक मूल्यों, धार्मिक आस्था में कमी देखने को मिल रही है।

पारिवारिक विवादों की संख्या में वृद्धि हो रही है इन विवादों का निपटारा करने के लिए कोर्ट कचहरी के चक्कर लग रहे हैं। सामाजिक स्तर पर कोई प्रयास नहीं किए जाते। सामाजिक बन्धन समाप्त होने के कगार पर है।

समाज के प्रबुद्ध लोगों को सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना होगा व संगठन व समाज को वैभवशाली बनाने व उसको उन्नति के शिखर पर ले जाने के लिए आपसी सहयोग बढ़ाने की भावना को विकसित करना पड़ेगा व सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए प्रयास करना पड़ेगा।

वर्तमान में पल्लीवाल संगठन व महासभा समाज में सोहार्दपूर्ण वातावरण बनाने व युवक युवतियों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए जबरदस्त प्रयासरत है। महासभा ने कई सामाजिक कार्यों द्वारा समाज को सकारात्मक संदेश दिया है। पल्लीवाल जैन समाज ने शिक्षा के क्षेत्र मेंएक पल्लीवाल शिक्षा संस्था का गठन का प्रयास किया है। यह समाज के लिए अच्छा प्रयास है।

आइये, हम सभी समाज की उन्नति के लिए अपनी सोच बदले, सकारात्मक सोचे व समाज के उत्थान व विकास के प्रयास करें। सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए प्रयास करें।

प्रकाश चन्द जैन

पत्रिका में प्रकाशित लेख एवं विचारों से सम्पादक मण्डल का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
यह लेखकों के निजी विचार माने जाने चाहिये।

भावभीनी श्रृद्धांजलि

पूजनीय पिताजी स्व. श्री प्यारेलाल जी जैन चौधरी
श्रद्धेय माताजी स्व. श्रीमती असरफी देवी जी जैन
(मूल निवासी - मौजपुर, अलवर)

स्व. श्रीमती इन्दु जी जैन
(धर्मपत्नी श्री पदम चन्द जैन)
(स्वर्गवास : 30.12.2018)

हम सभी परिवार के सदस्य सादर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुये भगवान वीर से उनकी चिर आत्मीय शांति की प्रार्थना करते हैं।

श्रद्धावनत

पुत्र :
पदम चन्द जैन
पौत्र-पौत्रवधु :
पारस जैन-रश्मि जैन,
पौत्री-दामाद :
डिम्पल-राजेश जैन
सिम्पल-नितिन जैन
प्रिती-उत्तम कोठारी
पड़पोत्री-पौत्र :
चेल्सी जैन-अक्षत जैन

पुत्र :
अनूप चन्द जैन
पौत्र-पौत्रवधु :
हेमन्त जैन-मधु जैन
पौत्री-दामाद :
सुनिता-सुनिल
अनिता-परवेश
विनिता-प्रताप
पड़पौत्र :
रोबीन-मानस

निवासः- बी-52, कीर्ति नगर, टोंक रोड, जयपुर
फोन : 0141-2706317, 9829066317, 9414055855

रूढ़िवादिता एवं आडम्बरवाद विरोधी दृष्टिकोण

प्राय: ऐसा बहुत होता है जब रूढ़ियों और परम्पराएं इतनी गहरी जड़े जमा लेती हैं कि धर्म की आत्मा ढ़क जाती है और धर्म के नाम पर बाह्य आडम्बरों पर बल दिया जाता है। व्यक्ति रूढ़ियों और आडम्बरों में अटका रह जाता है और सच्चे मार्ग के अनुसरण में वयं को असमर्थ पाता है।

जैन धर्म एक ऐसा धर्म है जहाँ धर्म के नाम पर रूढ़ियों और आडम्बरों का पुरजोर विरोध किया गया है। जैन धर्म के इतिहास और सिद्धांत दोनों द्वारा ही यह तथ्य प्रमाणित होता है।

छठी सदी ई.पू. तीर्थंकर महावीर के काल में तत्कालीन समाज में यज्ञ और बलि प्रथा व्यापक रूप से प्रचलित थी। इन यज्ञों में घोर हिंसा होती थी और धन का अपव्यय होता था। 'अग्निहोत्र, अग्निष्टोम, सोमयज्ञ, सौत्रामणी, अतिरात्र, पुरूषमेघ, वाजपेय, राजसूय, अश्वमेघ जैसे यज्ञ तत्कालीन समाज में प्रचलित थे।' सोमयज्ञ में सोमरस देवताओं को अर्पित किया जाता था। सोमरस एक नशीला पदार्थ था जिसका तत्कालीन समाज में प्रचलन था। अश्वमेघ यज्ञ में अश्वों की बलि दी जाती थी। इससे भी घृणित पुरूषों की बलि का यज्ञ भी प्रचलित था। पुरूषमेघ यज्ञ में मनुष्य की बलि दी जाती थी।

भगवान महावीर ने इन अमानवीय प्रथाओं के विरूद्ध आवाज उठाई। इन रूढ़ियों और परम्पराओं का विरोध किया। महावीर स्वामी ने उपदेश दिया कि इन प्रथाओं से मुक्ति नहीं वरन् बंधन होता है। प्रणी को पीड़ा पहुँचाना हिंसा है। उन्होंने सीधे और सच्चे रूप में अहिंसा का पाठ पढ़ाया।

समय के साथ-साथ समाज में धर्म के नाम पर अनेक ऐसी परम्पराएँ प्रचलित हो जाती हैं जिनका कोई तार्किक कारण नहीं होता परन्तु उनका पालन करना धर्म की अनिवार्य शर्त बताया जाता है। वे परम्पराएँ धर्म के मूल सिद्धान्तों से ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाती है। वास्तव में ये परम्पराएँ रूढियाँ बन जाती है।

सम्पूर्ण जैन साहित्य में इस प्रकार की रूयिों का अत्यन्त विरोध किया गया है और ऐसी सभी क्रियाओं को व्यर्थ बताया गया है। जैन धर्म में रूढ़ियों को मूढ़ता की संज्ञा दी है। मूढ़ता धर्म नहीं है, आडम्बर है। मूढ़ता चार प्रकार की है- लौकिक मूढ़ता, वैदिक मूढ़ता, सामायिक मूढ़ता और अन्यदेव मूढ़ता।

विभिन्न तीर्थों में जाना, पवित्र स्नान करना, विभिन्न पूजाएं करना सिर्फ आडम्बर मात्र हैं, इससे कोई धर्म नहीं होता। 'गंगादि जो नदी रूप तीर्थ है, इनमें स्नान करना, समुद्र में स्नान करना, प्रात: काल में स्नान करना, जल में प्रवेश करके मर जाना, अग्नि में जल मरना, गाय की पूंछ आदि को गृहण करके मरना, पृथ्वी, अग्नि और वट वृक्ष आदि की पूजा करना, ये सब पुण्य के कारण हैं। इस प्रकार जो कहते हैं उसकी लोकमूढ़ता को जानना चाहिए। हिंसक यज्ञों को करना लोकमूढ़ता ही है। सम्यक् दृष्टि का अभाव होना मिथ्या दृष्टि होकर कार्य करना लोकमूढ़ता है।

यह अकल्याणकारी है- 'इस लोक संबंधी कल्याण के लिए जो मिथ्या दृष्टिजीव मिथ्यादेवों की आराधना को करता है वह केवल मिथ्या लोकोपचारवश की जाने के कारण अकल्याणकारी लोकूढ़ता है।'

रागी-द्वेषी देवताओं की अराधना भी आडम्बर ही है। जैन धर्म में से देव मूढ़ता कहा गया है। आशावान होता हुआ वर की इच्छा करके राग-द्वक्षेषरूपी मैल से मलिन देवताओं की जो उपासना की जाती है सो देवमूढ़ता कही जाती है।'इस लोक में जो कुदेव में देव बुद्धि, अधर्म में धर्म बुद्धि और कुगुरु में गुरुबुद्धि होता है, वह देवमूढ़ता, धर्ममूढ़ता व गुरुमूढ़ता की जाती है।' सच्चे देवता वे ही हो सकते हैं जिनका राग-द्वेष मिट गया हो। सच्ची आराधना वही हो सकती है जिसमें किसी प्रकार का स्वार्थ ना हो। जो हिंसक गतिविधियों से प्रसन्न हो तथा जो आराधक हिंसा, बलि द्वारा अपने देवताओं को प्रसन्न करे वह धर्ममय मार्ग नहीं हो सकता।

जैन सिद्धांतों के अनुसार बच्चे साधु सर्वस्व त्यागी व महाव्रतधारी होते है। वे अहिंसा का अतिसूक्ष्मता से पालन करते हैं और सत्यवादी होते हैं। परन्तु लोक में ऐसे व्यक्तियों को भी साधु कहा जा रहा है जो हिंक है तथा परिग्रही हैं। जैन धर्म अनुसार यह समयमूढ़ता या गुरुमूढ़ता है। 'परिग्रह, आरंभ और हिंसा सहित, संसार चक्र में भ्रमण करने वाले पाखण्डी साधु तपस्वियों का आदर, सत्कार, भक्ति, पूजादि करना सब पखण्डी या गुरुमूढ़ता है।' कई बार ऐसे साधु आते हैं जो चमत्कार दिखाकर लोगों में आश्चर्य उत्पन्न करते हैं, ज्योतिष आदि के द्वारा लोगों को बहकाते हैं। जैन धर्म में यह आचरण भी उचित नहीं माना है।

जैन धर्म में मन की शुद्धि से ही जीव शुद्धि मानी गयी है। यदि मन शुद्ध नहीं हैं तो कोई कितना भी तप, त्याग करे, कितना भी शारीरिक कष्ट सहे, कितनी ही अध्ययन करे सब्य बेकार हैं। निःसन्देह मन की शुद्धि से ही जीवों की शुद्धि होती है, मन की शुद्धि के बिना केवल काय को क्षीण करना वृथा है। मुक्तिमार्ग हेतु साग-द्वेष जीतना अनिवार्य है- पढ लेने से धर्म नहीं होता, पुस्तक और पीछी से भी धर्म नहीं होता, किसी मठ में रहने से भी धर्म नहीं है तथा केश लोच करने से भी धर्म नहीं कहा जाता। जो राग और द्वेष दोनों को छोड़कर निजात्मा में वास करता है, उसे ही जिनेन्द्रदेव ने धर्म कहा है।

विभिन्न प्रकार के पूजा-पाठ, प्रसाद चढाना, तीर्थ यात्रा, पवित्र स्नान आदि वस्तुतःरू भोग है अतः ये धर्म न होकर पाप है। 'जो धर्म पुरूषार्थ मोक्ष पुरूषार्थ का साधक होता है वह तो हमें अभीष्ट है, किन्तु जो धर्म केवल भोगादि का ही कारण होता है उसे विद्वजन पाप ही समझते हैं।'

जैन धर्म में धर्म का महिमापूर्ण यर्णन करते हुए कहा है- 'थर्म गुरु है, मित्र है, स्वामी है, बांधव है, हितैषी हैं और धर्म ही बिना कारण अनाथों का प्रीतिपूर्यवक रक्षा करने वाला है। इसलिए प्राणी को धर्म के अतिरिक्तऔर कोई शरण नहीं है।' परन्तु यहां जिस धर्म का वर्णन है बह निज आत्म की पहचान है जो आड्म्बरों मे नहीं मिलता। यह धर्म विषयों से विरक्ति त्याग और आत्मा का धर्म है- 'इन्द्रिय विषयों

से विरक्ति, परिग्रह का त्याग, कषायों का दमन, शम, यम, दम आदि तथा तत्वाभ्यास, तपश्चरण का उद्यम, मन की प्रवृत्ति पर नियंत्रण, जिन भगवान् में भक्ति और दयालुता, ये सब गुण उसी पुण्यात्मा जीव के होते है, जिसके कि संसार रूप समुद्र का किनारा निकट आ चुका है। जो समस्त हेयोपादेय तत्वों के जानकार, सर्वसावद्य से दूर, आत्महित में चित्त लगाकर समस्त इन्द्रिय व्यापार को शांत करने वाले हैं, स्व व पर के हितकर वचन का प्रयोग करते हैं तथा सब संकल्पों से रहित हों चुके हैं, ऐसे मुनि कैसे मुक्तिके पात्र न होगें ?ष

इस प्रकार जैन धर्म एक सीधा-सच्चा-सरल धर्म है। जहाँ मुक्तिमार्ग बाहय आडसम्बरों में नहीं बताया है वरन् आत्मा की साधना द्वारा मुक्तिबताई गई है। जब तक राग-द्वेष नहीं जीते जाते सारी पूजा-प्रार्थना व्यर्थ है। जब तक आत्मानुराग नहीं होता सारी क्रियाएं व्यर्थ हैं। इसी प्रकार महावीर की वाणी में रूढ़िदाद और आडम्बरवाद का विरोध है।

जैन धर्म की एक ओर विशेषता है कि यह धर्म के आधार पर किसी विशेष वर्ग को विशेषाधिकारी मानने के पक्ष में नही है। साधरणतया इस विशेषाधिकार प्राप्त वर्ग का दावा होता है कि वे ईश्वर तथा आम जनता के मध्यस्थ हैं तथा वे अपनी विशेषक्रियाओं द्वारा आमजन को ईश्वर तक पहुँचा सकते हैं। जैन धर्म में ईश्वर के अस्तित्व को ही अस्वीकार कर इस धारणा का मूलाधार ही समाप्त कर दिया। जैन धर्म के अनुसार आत्मा ही कर्मपुद्गलों से छुटकारा पाकर परमात्मा बनती हैं।

जैन धर्म की उपासना पद्धति में भी व्यक्तिविशेष के महत्त्व को नकार कर गुणों को प्रधानता दी गई। जैन धर्म के नमस्कार मंत्र में जिन पंच परमेष्टी को नमस्कार किया है वे कोई व्यक्ति विशेष नहीं है-'अरिहत को नमस्कार, सिद्ध को नमस्कार, आचार्य को नमस्कार, उपाध्याय को नमस्कार, जग के सभी साधुओं को नमस्कार।' यहां न कोई वर्ग विशेष है ना कोई व्यक्तिविशेषद्य जो भी अरिहंत है, सिद्ध है, आचार्य, उपाध्याय या साधु है उन सबको बिना किसी भेदमाद के नमस्कार किया गया है। कोई भी व्यक्ति अपनी तपस्या द्वारा यह स्थान प्राप्त कर सकता है और पूज्य हो सकता है।

इसी प्रकार केदली भगवान की आराधना करते हुए- 'मोक्ष मार्ग के नेता, कर्मरूपी पहाड़ को भेदने वाले, विश्व के तत्त्वों को जानने वाले को उस जैसे गुण प्राप्ति हेतु वन्दना करता हूँ।' स्पष्ट है यहाँ वन्दना केवल व्यक्तिके गुणों की की गई है, व्यक्तिकी नहीं तथा यह वन्दना भी उसी प्रकार के गुण प्राप्त करने के लिए की गई है।

जैन धर्म एक ऐसा क्रातिकारी आंदोलन है जिसमें धर्म के नाम पर ठेकेदारों द्वारा विशैषाधिकार प्राप्त करने की प्रक्रिया नहीं है। कोई भी व्यक्ति अपनी त्याग-तपस्या द्वारा सर्वोच्च स्थान प्राप्त कर सकता है और पूज्य हो सकता है।

डॉ. धीरज जैन

वर्तमान में वर्धमान से साभार

जीवन की भाग-दौड़ में आखिर वास्तव में हम कहां है ?

जीवन की भाग-दौड़ में नैतिकता कम होती जा रही है और भौतिकता बढ़ती जा रही है। वर्तमान युग में हम कहां जा रहे है ? हमारा स्वरूप क्या है और कौ ोना चाहिये ? तथा इकसे बारे में हमने कभी सोचा या कभी सोचने की कोशिश करें।

यही जिन्दगी जीनी है तो पैसा आवश्यक है, पैसा हां पैसा, परन्तु जीवन ो जीना चाहते है तो धर्म तो चाहिये। क्या हम अपने वीर प्रभु, जिनेन्द्र देव, माँ जिनवाणी के धार्मिक सिद्धान्तों के स्वरूप से दूर होते जा रहे है। हमें आज दुनियाँ की दौड़ भाग में धर्म के मूल सिद्धान्तों को अपने जीवन में चरितार्थ करना होगा, तभी हमें जैन कुल में जन्म लेने का लाभ मिलेगा और हमें जन्म-जन्मांतर तक जैन कुल में पैदा होने का सौभाग्य मिल जायेगा। धर्म को अंगीकार करना ही मानव जीवन का सच्चा श्रृंगार हो सकता है।

वस्तुस्वभावों धम्मो- जिस वस्तु या पदार्थ का जो स्वभाव है, वही उसका धर्म है। अहिंसा परमो धर्मः प्राणी मात्र की रक्षा करना ही धर्म है। दया विशुद्धो धर्मो:- विशुद्ध रूप से दया का भाव ही धर्म है।

जीव दया का सिद्धान्त हर मनुष्य को अंगीकार व चरितार्थ करना चाहिये। इन्सान तो अपना पेट भर सकता है। अपने सामर्थ्य के अनुसार या किसी भी प्रकार से लेकिन वो जीव तो सिर्फ कुछ समझते नहीं है, उनके पेट भरने के लिये सहायता उन परदया जरूरी है। उदाहरण के लिये अपने आस-पास मोहल्ले में या शहर में या कॉलोनी में जो आपके निकट जानवर या पक्षी हो जैसे श्वान, गाय उन्हीं को नित्य खाने को दे। पक्षियों को दाना डाले या कोई जीव या व्यक्ति असमर्थ है, चाहे वो अर्जिक, सामाजिक या किसी भी तरीके से उसकी मद्द करें। ऐसा करने पर आपको आत्मिक सुख, शांति व समृद्धि जरूर मिलेगी।

अतः अने जीवन में धर्म को प्रथम स्थान पर रखना होगा और तब मानव जीवन में जैन कुल में जन्म लेना सार्थक हो पायेगा। 'जांचे सुर तरू देव सुख, चिंतत चिता रैन, बिन जांचे बिन चिन्तयै, धर्म सकल सुख देन।'

बारह भावना में धर्म का महत्व बतलाते हुये लिखा है ब हम कल्वृक्ष से कुछ पाना चाहे तो हमें उसके सामने जाकर याचना करी पड़ती है, अथवा कल्पवृक्ष सम्यक् दर्शन होकर भी कुछ नहीं दे सकता। चिंतामणी रत्न हमारे पास हो परन्तु उस रत्न के समक्ष इच्छा प्रकट किये बिना इच्छित वस्तु की प्राप्ति नहीं हो सकती, किन्तु धम्र ही ए ऐसा माध्यम है जहां ना तो याचना करने की जरूरत है ना ही इचछा प्रकट करने की जरूरत अपितु धर्म तो ध्मा हैं फिर चाहे गृहथ धर्म हो पड़ोसी धर्म हो, समाज धर्म हो या राष्ट्र धर्म। धर्म की परिभाषा हमारे आचार्यों और शास्त्रकारों ने इस लेख के शुरूआत में उपरोक्त वर्णित करते हुये और परिभाषित किया है।

श्रीमती सन्तोष जैन
102/117, जय-पारस, पटेल मार्ग
मीरा मार्ग मन्दिर के पास,
मानसरोवर, जयपुर (राज.)
मो. 9352773740

समस्त पल्लीवाल जैन समाज को नववर्ष की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

अध्यक्ष महासभा
श्री आर.सी. जैन, *Retd. IAS*
(जयपुर)

महामंत्री महासभा
श्री राजीव रतन जैन
(इन्दौर)

अर्थमंत्री महासभा
श्री अजीत जैन
(अलवर)

परामर्शदाता पत्रिका
डॉ. अनुपम जैन
(इन्दौर)

संयोजक पत्रिका
श्री चन्द्रशेखर जैन
(जयपुर)

संपादक पत्रिका
श्री प्रकाश चन्द जैन
(जयपुर)

सहसंपादक पत्रिका
श्री पारस जैन गहनोली
(जयपुर)

अर्थसंयोजक पत्रिका
श्री महेश चन्द जैन
(जयपुर)

जैन दर्शन में आत्मा का स्वरूप

आत्मा अजर है, अमर है, अविनाशी है

आत्मा द्रव्य त्रिकाल स्थायी है, उसकी पर्याय कभी मनुष्य कभी तिर्यंच कभी देवता और नरक दशा में सदा बदलती रहती है।

आत्मा तीन प्रकार की मानी गई हैं

1. बहिरात्मा 2. अन्तरात्मा 3. परात्मा

आत्मा अकेला है, अकेला ही जन्मधारण करता है। तथा अकेला ही मरता है।

आत्मा ध्रुव और शाश्वत है,

पुद्गल परावर्तन और कर्मों की मार से चारों गलियों में भटक रहा है

कोई भी वस्तु आत्मा से भिन्न नहीं है

यानि अपने साथ कुछ भी नहीं ले जाता है,

आत्मा न छाटी है न बड़ी वह समस्त शरीर में व्याप्त रहती है।

यदि शरीर समक्ष्म है तो आत्मा भी सूक्ष्म है,

यदि शरीर विशाल तो आत्मा भी विशाल होगी।

आत्मा चेतना शूय या अविच्छिन्न नहीं होती।

यद्यपि आत्मा असंख्य प्रदेश युक्त होती है फिर भी उसके प्रदेश अविच्छिन्न होते है। उनमें से एक भी प्रदेश पृथक नहीं होता, केवल संकाय-विस्तार ही होता है। शरीर का जो हिस्सा शून्य या कट जाता है तो उसके आत्म प्रदेश उस हिस्से से निकल कर शरीर में समा जाते हैं।

आत्मा का स्वभाव ज्ञान, दर्शन, चरित्र, तप, वीर्य और उपयोग है।

आत्मा उत्पन्न नहीं होती यह नित्य द्रव्य है, शास्वत हैं। अनाठे अर्य वसित है सदा काल बनी रहती हैं।

कर्मों से हल्की बनी आत्मा एक दिन अवश्य मोक्ष प्राप्त करती है।

आत्म उत्थान का संयक अमोघ उपाय है, इस मार्ग पर यथावत चलने वाला साधक अपनी आत्मा के साथ लगी सैंकड़ों भवों की कर्मरज छेदन कर अव्या बाध सुखों को प्राप्त कर सकता है।

आत्मा की विशुद्धि होकर परमात्मा दशा प्रकट होती है। अन्तिम तत्व है।

आत्मा को पहचानना हो तो आत्मा से परिचय करो, पर वस्तु का त्याग करों।

मिथ्या त्व आत्मा का भयंकर शत्रु है।

सुमति चन्द जैन
खोह (अलवर)

संत का सान्निध्य

संत का सान्निध्य अनूठा है। इसके रहस्य गहरे हैं। संत के सान्निध्य में जो दृश्य में घटता है, वह ज्यादा है। उसका महत्व और गोल अनमोल है। संत का सानिध्य नियमित होता रहे, इसमें निरंतरता बनी रहे तो अपने आप ही जीवनक्रम बदलने लगता है। मन में जड़ जमाए बैठों उलटी आस्थाएं, मान्यताएं, आग्रह फिर से उलटकर सीधे होने लगते है। संत के सान्निध्य में विचार परिवर्तन, जीवन परिवर्तन के क्रांति स्फुलिंग यों ही उड़ते रहते है। इसके दाहक स्पर्श से जीवन की अवांछनीयताओं का दहन हुए बिना नहीं रहता। संत के सान्निध्य में सत् का सत्य बोध, अनायास ही हो जाता है, पर यह हो पाता है संत के चित् के कारण, उसके चैतन्य प्रवाह की वजह से।

दयाचन्द जैन,
310, कावेरी ग्रीन्स, आगरा

Shridhanjali

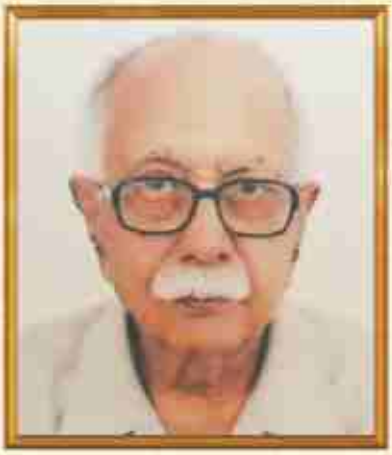

Late Sh. Suresh Chandra Ji Jain

(Birth Date : 03.07.1936) *(Death Date : 15.01.2019)*

Wife : Late Smt. Pushpa Lata Jain

Fondly Remembered by

Son & Daughter in Law :
Anil Kumar Jain - Ragini Jain
Akhil Jain - Raj Jain

Daughter & Son in Law :
Anita Gupta - Dinesh Gupta
Amita Jain - Late Ajay Jain

Grandson & Grand Daughter in Law :
Nitesh Jain - Shubha Jain
(Great Grand Son - Arnav Jain)
Manish Jain - Neha Jain
Vikas Gupta - Klara Hakansson Gupta

Grand Daughter & Grand Son in Law :
Ayesha Mahajan - Darpan Mahajan
(Great Grand Daughters - Aaina & Vaanya Mahajan)
Aakriti Rajput - Shashank Rajput

Grand Sons & Grand Daughter :
Tarun Jain, Nimesh Jain, Anamika Jain, Akshay Jain, Ankesh Gupta

भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री नित्यकिशोर जी जैन
(स्वर्गवास : 24 अप्रेल 2001)

स्व. श्रीमती द्रोपती जैन
(स्वर्गवास : 26 जनवरी 2017)

श्रद्धावनत

पुत्री-दामाद :
राजरानी-अनिल कुमार जैन *मंडावर*

पौत्री-दामाद :
चंचल-मनीष जैन *अलवर*
भूमिका-दिलीप जैन *अलवर*
कामना-अतुल जैन *मेंहदीपुर बालाजी*

पुत्र-पुत्रवधु :
जगदीश प्रसाद जैन-रीता जैन
पूर्व केन्द्र कार्यकारिणी सदस्य ग्रामोण, आगरा
विनोद कुमार जैन-अर्चना जैन
जवाहरलाल-प्रीती
पवन कुमार-जौली

विवेक जैन-तनु *(पौत्र-पौत्रवधु)*
राहुल जैन-अल्पना *(पौत्र-पौत्रवधु)*
अभिषेक, मोहित, अंकित, आकाश, अर्चित *(पौत्र)*
पूजा *(पौत्री)*

जैन फोटो स्टेट एण्ड स्टूडियो, भरतपुर रोड
अछनेरा, आगरा, दूरभाष : 9758310839

जैन प्रोवीजनल स्टोर, भरतपुर रोड
अछनेरा, आगरा, दूरभाष : 9557547628

जैन पान एवं प्रोवीजनल स्टोर, भरतपुर रोड
अछनेरा, आगरा, दूरभाष : 9837316219

जैन मेडिकल ऐजेन्सी, फुव्वारा
आगरा, दूरभाष : 9897970355

अरदाया वाले अछनेरा, आगरा (उ.प्र.)

वीणा के तार : सिखाते है बातें चार

प्रकृति के वास्तविक जीवन का आनन्द लेना है तो वीणा के तारों को साध लिजियें। वीणा के तारों में चार बातें साधना मार्ग के प्रिंसिपल्स है ये चार बातें चार दिशाओं की तरह है। ये जीवन के सिद्धान्त बन जाने चाहिये। वीणा के ये तार किसी भी मंदिर के चारभुजानाथ भगवान का प्रतीक है।

1. इजीनेस अर्थात सहजता
2. अवेयरनेस अर्थत सचेतनता
3. पॉजिटिवनेस अर्थात सकारात्मकता
4. फ्रीनेस अर्थात निर्लिप्तता

ये बातें जिसने भी समझ ली तो मान लीजिये कि उसने महावीर के पंच महाव्रत और रत्नश्रय भगवान बुद्ध के अष्टांगिक आर्य मार्ग और पतंजलि के अष्टांगिक याग मार्ग को साध लिया है। जब ये चार बातें हमारे जीवन के साथ जुड़ जायेगी तब बच्चे का, युवक का और बुजुर्गों का जीवन भी धन्य होगा और तब जन्म, जीवन और मृत्यु भी धन्य हो जायेगें।

रविन्द्र कुमार जैन
चौरसियावास रोड, अजमेर

दृढ़ संकल्प

मनुष्य का उद्देश्य ऊँचा हो और संकल्पना दृढ़ हो तो किसी भी परिस्थिति से उभर सकता हैं। कलिंग विजय के बाद अशोक सम्राट तो बन गया, पर उतनी ही मात्रा में उसे पीड़ित लोगों को घृणा और धिक्कार का सामना भी करना पड़ा। युद्ध के आर्तनाद ने उसके अंदर की करूणा और मानवता को जिंदा कर दिया। भगवान बुद्ध का अनुयायी बन कर वह सत्यपथ पर अग्रसर हुआ और आज अपने श्रेष्ठ कार्यों के लिए याद किया जाता है। न्याय और धर्म का पथ कठिन तो है पर आंतरिक सुंष्टि और भावनात्मक तृप्ति के अधिकारी इसी पथ के पथिक बनते हैं।

दयाचन्द जैन
310, कावेरी ग्रीन्स, अजमेर

जयजय गुरूदेव संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्या सागर महाराज

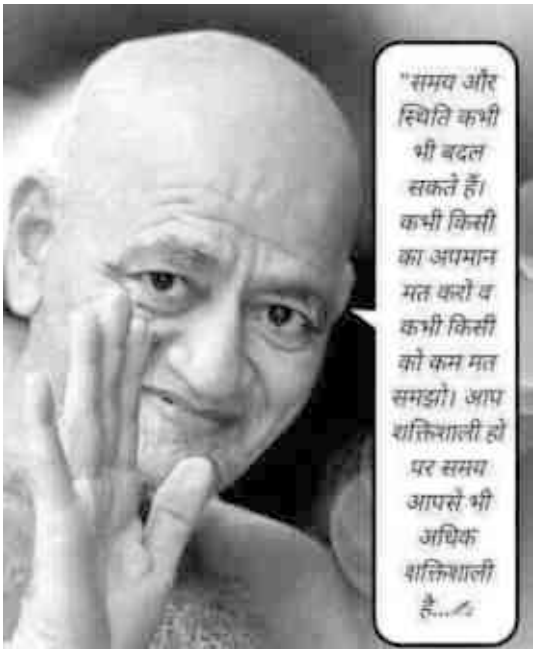

पत्रिका सहायता

श्रीमती राजरानी जैन, 140, गोविन्द नगर पश्चिम, आमेर रोड़ ने अपने पति श्री सुमेर चन्द जैन (अलवर वाले) का 85 वर्ष की आयु में दिनांक 712.2019 को स्वर्गवास होने पर उनकी पुण्य स्मृति में पत्रिका सहायता 1100/- रूपये सप्रेम भेंट किये। रसीद 2251

महासभा सहायता

श्रीमती राजरानी जैन, 140, गोविन्द नगर पश्चिम, आमेर रोड़ ने अपने पति श्री सुमेर चन्द जैन (अलवर वाले) का 85 वर्ष की आयु में दिनांक 712.2019 को स्वर्गवास होने पर उनकी पुण्य स्मृति में महासभा सहायता 1100/- रूपये सप्रेम भेंट किये। रसीद 4697

पारिवारिक लेख

रिश्तों की बनावट को समझो

रिश्तों की बनावट जटिल होती है। अतः रिश्तों में गुणवता, गर्माहट बनाये रखने के लिये जो वायदे करे उसी ईमानदारी से पूरा प्रयास करें। सामर्थ के बाहार कोई वायदा ना करे। ऐसे मौके की तलाश में रहे जब अपने रिश्तेनातों के प्रति आदर प्रकट कर सकें। रिश्तेदारी में सबसे बड़ा उपहार होता है कि एक दूसरे के बिना किसी शर्त के प्रेम और प्यार देने की कोशिश करें। नीचा दिखाने की कोशिश न करें। व्यवहार ऐसा हो कि लोग ऑख मूंद कर भरोसा कर सके।

जीवन में जीवंत बने रहना- जीवन को दिलेरी के साथ जीना- जीवन स्तर को बेहतर बनाने में लगे रहना- आपसी विश्वास में कमी न आने देना जीवंतता है। यद्यपि विश्वास की कमी को किसी तरह नापा नहीं जा सकता फिर भी दुनिया चलती है विश्वास से है। विश्वास से ही व्यक्ति की प्रतिष्ठा बनाती है। चीजों के साफ-सुथरे ढंग से समझने और एमझाने की कोशिश करें। समझने और समझाने के माध्यम से जीवन को योजनावबद्ध तरीके से जीने की कला सीखें।

जीने की कला में सबसे पहले खुद पर भरोसा होना चाहिए। जिसे अपने पर भरोसा नहीं उसका जीवन संदेहों से घिर जाता है, अच्छे व्यक्तित्व का विश्वास नहीं हो पाता है। संदेहयुक्त जीवन जीने के लिये अपने आप को सरल रखे, पवित्र रखें। इसके लिये दृष्टि और वाणी पर नियंत्रण में रखते हुये, संयम रखें।

रिश्तों की फासले-संवाद की कड़ियों से दूर किये जा सकते है। अपनों के द्वारा किये गये अच्छे कार्यों को याद करे न कि उनके द्वारा की गयी गलतियों को। जब कोई आपके घर आये तो खिड़की नहीं-दरवाजा खोल दें। उनका मजाग ना बनाये, कड़वे रिश्तों की विरासत को भुलाने में देर न लगाये।

आप चाहाते है रिश्ते मजबूत रहे तो सबके लिये उपयोगी बने। सहयोगी बने, सबको देने वाले बने और वायदा करे उसे निभायें। अपनी वायदा निभाने की शक्ति को मजबूत बनायें।

बहुत फर्क है- किसी के दिन में उतर जाना या किसी के दिल से उतर जाना, इस अंतर को अंदर से स्पष्टता के साथ समझे। ध्यान रहे किसी भी आंखों में हमारे कारण आंसू ना आये। रिश्तों की बनावट बड़ी बारीक होती हैं। अपने व्यवहार में स्पष्टता रखें और जो नहीं कर सकते हो, उसे स्पष्ट कर दें। कोशिश करें कि किसी को अपमानित न करे, अनजाने में यदि आपसे यह कृत्य हो गया तो स्थिति स्पष्ट करने में विलम्ब न करें।

रिश्ते मजबूत रहें इसके लिये ध्यान रखे। अपने फायदें के लिये किसी एहसास को जज्बात को या औकात को न छेड़े वरना रिश्ता टूटने में देर नहीं लगेगी।

एक ताला जो एक और चाबी घुमाने से बंद हो जाता है वही ताला उसी चाबी से दूसरी ओर घुमाने से खुल जाता है। यह एक ऐसा विचार है जो समझ को विकसित कर सकता है। समस्या का समाधान कर गिड़ी बात बना सकता है। गलत विचार, गलत वाणी, गलत सोच, गलत व्यवहार को घुमाकर सही दिशा में कर लें। रिश्तों के बंद पड़े ताले खुल जायेगें।

बातों के धनी बनने की जगह वादे के धनी बनिये।

श्रीमति सन्तोष जैन
02/117, मानसरोवर, जयपुर
मो. नं. 93527773740

विवाह ? शुरू में वाह-वाह, बीच में आह अन्त में तबाह!

ज्ञानियां की दृष्टि में विवाह एक ऐसा चुइंगम है कि प्रारम्भ में मीठा-मीठा स्वाद हर मन को भा जाए। बाद में चबाते जाइये, चबाते जाइये, स्वाद ही न आए, वाकई में वही है विवाह। प्रायः मनुष्य का यही अनुभव है, कटु सत्य है, इसे मनुष्य चिन्तन नहीं करता है।

किसी का विवाह होता है तो एक दो वर्ष तो ऐसा लगता है मानो उसके घर में स्वर्ग उतर आया है। शुरू में वह वाह, फिर असली जिंदगी शुरू होती है, तब मनुष्य को समझ में आता है कि आटा-दाल का भाव क्या होता है ? अर्थात् बीच बीच में आह आह! और अन्त में तबाह यानी गृहस्थी के जन्जालों से जुझते हुए तबाह तो होना ही पड़ता है।

कोई सोचता है विवाह कर लूंगा, घर में पत्नी आ जायेगी। मगर पत्नी का एक और अर्थ समझते है ? ज्ञानियों की दृष्टि में पत्नी! यानी त्रिमुखी का अद्‌भूत संगम।

पहले चन्द्रमुखी, फिर सूयमुखी और अन्त में ज्वालामुखी। शुरू शुरू में पत्नी का चेहरा चान्द का टुकड़ा नजर आता है। वह बोलती है तो लगता है कि अमृत झर रहा है, मुस्कराती है तो लगता है कि गुलाब खिल रहा है और अन्त में वही चांद का टुकड़ा दुःखडा बन जाता है। उसका बोलना बड बडाने में बदल जाता है। मुस्कुराना काँटों के चुभन सा दर्द देता है। ऐसा क्यो ?

ऐसा इसलिए होता है कि शुरू शुरू में पति-पत्नि दोनों समर्पण में जीते है, प्रेम से जीते है, एक दूसरे की भावनाओं का आदर करते है फिर धीरे-धीरे समर्पण नष्ट होकर जीवन में कुतर्क छा जाता है, दोनों ही प्राणी अहंकार की गिरफ्त में आ जाते हैं। अब कौन झुके ? दोनों अहंकार की चपेट में है। कोई झुकने को राजी नहीं, क्योंकि अहंकार से भरा मन कहता है- मिट जाना, लेकिन झुकना मत बिखर जाना लेकिन झुकना मत। अहंकार झुकने नहीं देता। जब पति-पत्नि दोनों अकड़ में जी रहे होते है, तब कलह और द्वेष की चिनगारियाँ निकलने लगती है और वही पत्नी जो चन्द्र मुखी लगती थी, अब ज्वालामुखी लगने लगती है। अर्थात् जब तक समर्पण होता है, तब तक दाम्पत्य जीवन में आनन्द होता है, समर्पण से जीवन में खिलखिलाहट आ जाती है। समर्पण गया कि जीवन नरक बनना प्रारंभ हो जाता है। अतः सुखी जीवन के लिए यक छोटा सा सूत्र याद रखे- जहाँ समर्पण है, वहॉ स्वर्ग है। जहाँ कुतर्क है वहाँ नरक है।

दाम्पत्य और परिवारिक जीवन में अपसी तालमेल बनाकर चलना आवश्यक है। जीवन का आनंद लेना है तो समर्पण में जीना। दुष्ट मन अहंकार में चलेगा, उसकी कतई सुनना मत। मन अकड़ने को कहेगा तो उसकी मानना नहीं। झुककर जीना सीखे ताकि पत्नि तो क्या ? सारा संसार अपने चरणों में झुक जायेगा। छोटा बनकर सारा संसार अने चरणों में झुक जायेगा। छोटा बनकर जीना ताकि हम बड़े बन सके। यदि हम हाथ जोड़कर सिर झुकाकर जीना सीख जायें तो फिर हमारा कोई दुश्मन ही नहीं रहेगा और जीवन में स्वर्ग उतर आयेगा।

लड़की तो उसके सुसुराल की अमानत है, उसके संस्कार सुन्दर बनाओं। मन में अहंकार या चिड़चिडापन नहीं होना चाहिए। जीवन में विनय और सहनशीलता होगी तो कभी किसी बहु को अशुभभाव पैदा नहीं हो सकता है।

अगर हम अपने घर को स्वर्ग बनाना चाहते है, तो पति-पत्नि को पिता-पुत्र को, सास-बहु को, जेठानी-देवरानी को, भाई-बहिन को आपस में एक समझौता करना पड़ेगा, जब कोई एक आग बने (क्रोध करें), तो दूसरा पानी बन (मौन हो) जाए। यह सुखी जीवन के लिए एक अमृत सूत्र है।

शादी के वक्त पर वर और वधु से पंडित द्वारा सात वचन भरवाये जाते है, वह अब पुराने हो गये है घिसपिट गये है समय के रूख से अब इन वचनों में परिवर्तन किया जाना चाहिए। उन नये वचनों में पहला वचन यह हो कि- देवी! अगर मै कभी क्रोध में आग बनूं तो तू पानी बन (मौन हो) जाना और कभी तुम आग बनोगी तो मै पानी बन जाउंगा। इस समझौते से अपने दाम्पत्य जीवन में स्वर्ग उतर आयेगा।

क्रोध रूपी आग को क्षमा, समता, नम्रता सहनशीलता,

सहिष्णुता के जल से ठण्डा करें। स्वर्ग नरक मरने के बाद ही मिलते है- ऐसा नहीं। जीते जी भी उन्हें देखा और भोगा जा सकता है। मानसिक शांति और शारीरकि स्वास्थ्य ठीक हो, तो जीवन कसी स्वर्ग से कम नहीं है इसके विपरित जीवन किसी नरक से कम नहीं है।

जीवन में अगर दुःख आए, संकट आए, कैसी भी प्रतिकूल परिस्थिति आएं तो हम दुःख को अपने ही पिछले कर्मों का फल मानकर स्वीकार करके धैर्य व समता के साथ सहन कर ले तो जीवन के आधे दुःख तो यों ही खतम हो जायेंगे। अपनी आँखों में जो संसार की खुमारी है उसे खतम करके आदेर्श जीवन राम-सीता की तरह जीकर दुनियाँ को दिखा दो पर राम और सीता जंगल में भी प्रसन्न थे, किन्तु हम कोठियों में रहकर भी प्रसन्न नहीं है, यह हमारे जीवन की असलियत है, इसे समझना होगा।

एक मित्र की बेटी स्नेहा अपने ससुराल आई। आते ही सास की गोद में अपना सिर रख दिया और बोली आज से आप मेरी माँ है। आपकी हर आज्ञा का पालन करना मेरा धर्म होगा। सासु कहती है तुम्हारी पढ़ाई का आखरी वर्ष है अतः तुम कालेज जाना शुरू कर दो। घर के काम मै धीरे-धीरे कर लिया करूंगी। स्नेहा कॉलेज जाने लगी। सासु की तबियत ठीक नहीं रहती, फिर भी घर का काम करती है, स्नेहा का यह अच्छा नहीं लगा। उसने कॉलेज जाना बन्द कर दिया। सासु ने पूछा- क्या छुट्टी है? स्नेहा बोली- हाँ, जीवन भर की छुट्टी ले ली है। घर में सासु माँ बीमार रहे और बहु पढ़ने जाए, ऐसी पढ़ाई किस काम की? स्नेहा अब सब काम स्वयं करती है। रात को 9.30 बजे वह सासु के पैर दबाती है। सासु कहती है- स्नेहा! तुम दिनभर की थकी हुई हो, अब आराम करो, तो स्नेहा कहती है- आपको नींद आजायेगी तो मै भी सो जाऊंगी । ऐसी बहु सासु को कितनी प्रिय होती है।

सासु खुश है लेकिन स्नेहा की माँ को यह अच्छा नहीं लगा। स्नेहा माँ के घर आती है तो उसकी माँ उससे कहती है- तू यह क्या कर रही है? रात के 10 बजे तक काम करती रहती है, बीमार हो जायेगी , तो कौन क्या करेगा? तूने पढ़ाई भी क्यों छोड़ दी? स्नेहा कहती है- मेरी सच्ची पढ़ाई तो अब चालू हुई है।

कुछ दिनों बाद स्नेहा के श्वसुर को व्यापार में काफी नुकसान हो जाता है। भाव कम हो जाने से घाटा हो जाता है स्नेहा की माँ स्नेहा से फोन पर कहती है- तू अपने सब जेवर गहने यहाँ ले आ, नहीं तो सब चला जायेगा। सुना है तेरे श्वसुर को काफी नुकसान लग रहा है। स्नेहा बोली- जो मुझे दिया वह तो मेरा हो गया है, उस पर अब तू क्यों मोह और चिन्ता करती है? जेवर जाते है तो भले ही जाए, पर मै स्वार्थी बहु कहलाना नहीं चाहूंगी। मै ऐसा कोई काम नहीं करूंगी, नहीं चाहूंगी जिससे मेरे खानदान की भी बदनामी हो।

एक दिन स्नेहा अपने श्वसुर को चिन्तत देखती है, तो अपने सम्पूर्ण जेवर श्वसुर के चरणों में लाकर रख देती है। बोलती है- आपको जो चाहिए, ले लीजिए, यह सब आपका ही है। यह सुनकर श्वसुर तो गदगद हो गया। बोला- यह क्या कहती हो बेटी मै तुम्हारा जेवर ले लूं? स्नेहा बोली- यहज अभी सोचने का समय नहीं है, जो कुछ भी है आपका ही है मेरा आभूषण तो शील और सदाचार है उसके सामने ये जेवर तुच्द है, बस आकपा और मम्मी का आशीर्वाद मिलते रहना चाहिए, यही मेरा भूषण है, श्वसुर जी के आँखों में आँसु आ गये- सचमुच तू तो गृहलक्ष्मी है। कुछ दिनों ाद व्यापार में फिर से तेजी आ गयी, घाटा समाप्त होकर मुनाफा होने लगा। समय पर जो का आता है वही अपना माना जाता है। लड़की यदि संस्कारी, सहनशील व विनयशील हो तो घर में कलह हो ही नहीं सकता। यदि हम थोड़ा भी झुक जाए तो हो सकता है, सामने वाला पूरा ही झुकजाए।

शिवमस्तु

पारस मल जैन (IAF)
6P/530 सेक्टर-6,
कुडीभगतासनी हा-वोर्ड, जोधपुर

नारी : परिवार की धुरी

परिवार समाज की आधारभूत इकाई है। विभिन्न परिवारों की समवेत स्थिति से समाज की विशिष्ट छवि का निर्माण होता है। परिवार की नींव अथवा धुरी है - नारी। परिवार का प्रत्येक निर्णय, क्रिया कलाप एवं व्यवहार नारी की सहमति और उसके योगदान पर निर्भर है। जिस परिवार में नारी शिक्षित, संस्कारित, समझदार और सहिष्णु होती है, वह परिवार अखण्ड और अजेय होता है।

संयुक्त कुटुम्ब परम्परा -

पहले बड़े-बड़े परिवार एक साथ संयुक्तरूप से रहते थे। संयुक्त-कुटुम्ब की यह परम्परा आज तिरोहित होती जा रही है। इसका प्रमुख कारण है - आपसी सामंजस्य और साथ-साथ रहने की कला का अभाव। पश्चिम की सभ्यता के अंधानुकरण से कई परिवार टूटे हैं। इस सुविधावादी, उपभोगवादी और स्वार्थपरायण कुसंस्कृति ने स्वच्छन्द रहने की लालसा पैदा की और बड़े-बड़े कुटुम्ब खण्ड-खण्ड होते चले गये। परिणामस्वरूप बाल पीढ़ी दादी-नानी की शिक्षाप्रद कहानियों से वंचित है। इन सबके अलावा आवासीय तथा व्यावसायिक कारणों ने भी संयुक्त कुटुम्बों को अलग-अलग रहने के लिए विवश किया है। लेकिन ऐसे में भावनात्मक एकता तो होनी ही चाहिये।

सहिष्णुता -

समुदाय में रहने के लिए समता-सहिष्णुता का विकास करना बहुत आवश्यक है। सौ के करीब सदस्यों वाले संयुक्तकूटुम्ब के मुखिया के पास एक व्यक्तिपहुँचा और कहा - 'आपकी अद्भुत पारिवारिक अखण्डता और सौहार्द्र से मैं बेहद प्रभावित हूँ तथा इस अनुकरणीय एकता का राज पूछना चाहता हूँ।' मुखिया वृद्ध था और उसने मौन व्रत धारण कर रखा था। उसने कागज पर एक शब्द लिखकर आगन्तुक को दे दिया। कागज पर लिखा था - 'सहिष्णुता'। इस सन्दर्भ में कवि डॉ. दिलीप धींग की ये पंक्तियाँ स्मरणीय हैं -

परिवार और समाज में सहनशील बनो।
जीवन के संग्राम में कर्मशील बनो।
सत्य और प्रेम की महक हो जीवन में,
मृदुभाषी, शालीन और विवेकशील बनो।

प्रेरणा की स्रोत -

नारी जीवन में अनेक उतार-चढ़ाव और बदलाव आते हैं। परिस्थितियों के अनुरूप ढल जाने और विपरीत परिस्थितियों को स्वयं के अनुरूप ढाल देने की कला का विकास नारी-जीवन के लिए बेहद जरूरी है। एक महिला दो कुलों को प्रभावित करती है। उसका प्रभाव गौरव में परिणत होना चाहिये। उसे माता, बहिन, बेटी, पत्नी, भाभी आदि भूमिकाओं को निभाना होता है। मरुदेवी, ब्राह्मी, सुन्दरी से लेकर त्रिशला, चन्दनबाला और बाद में भी एक से बढ़कर एक सत्नारियाँ, सतियाँ और महासतियाँ हुई, जिन्होंने अपने अनूठे आदर्शों और सत्कार्यों से जमाने को आश्चर्यवकित और नतमस्तक कर दिया। सत्य और शील के ऐसी साहसी अमर साधिकाओं के जीवन चरित्र आज की भटकती पीढ़ी को सही दिशा देने में सक्षम हैं।

निजी सलाहकार -

परिवार एक ऐसी संस्था है जहाँ प्यार, सहकार और कर्त्तव्य का निर्मल निर्झर निरन्तर प्रवाहित होता रहता हैय जिसका मुख्य स्रोत नारी होती है। नारी शब्द की व्याख्या करते हुए मूक माटी काव्य में आचार्य विद्यासागर लिखते हैं - नारी यानि न आरी, न अरि अर्थात जो आरी (छुरी) अथवा अरि (शत्रु) नहीं है, वह है नारी। उन्होंने अबला शब्द के बारे में भी कहा कि जो बला (समस्या) नहीं है, वह है - अ़बला । नारी को स्वयं के प्रति अपने चिन्तन को बदल कर अस्तित्व के प्रति सजग होना

चाहिये। उसे परिवार और परिवार के बाहर ऐसे गरिमामय कार्य करने चाहिये, जिनसे स्वयं के और दूसरों के व्यक्तित्व पर स्थायी सकारात्मक प्रभाव हो। परिवार और समाज की प्रबुद्ध महिलाओं से यह उम्मीद की जाती है कि वे दिग्भ्रमित तरुणियों के भटकते कदमों को सही दिशा की ओर मोड़ें। पारिवारिक जीवन के विकट समय में नारी की समझ और सलाह बहुत उपयोगी साबित होती है। परिवार की कई मुश्किलें उसके विवेक से आसान हो सकती है। ज्ञान-ध्यान, स्वाध्याय, व्रत-निष्ठा आदि के द्वारा वह परिवार को सुसंस्कारों की पवित्र ज्योत्स्ना से जगमगा सकती है। नारी अपनी कुदरती क्षमताओं, गुणों एवं प्राप्त अवसरों के माध्यम से परिवार और समाज में एक अभिनव चेतना का संचार कर सकती है।

संस्कारों की संवाहिका -

वर्तमान समय में नारी को जो व्यापक स्वतन्त्रता मिली है, यदि उसका स्वच्छन्दता पूर्वक उपभोग करने की बजाय विवेकसम्मत उपयोग किया जाए तो घर-घर में उग रही कलह और संस्कारहीनता की कंटीली झाड़ियाँ शान्ति और सदाचार के फूलों के गुलदस्ते में बदल सकती हैं तथा एक प्रभावी सामाजिक क्रान्ति का सूत्रपात हो सकता है। एक शिक्षित, सहिष्णु तथा शीलवती नारी के लिए कुछ भी सच्चा और अच्छा करना असंभव नहीं है। रसोईघर जैसा महत्वपूर्ण विभाग नारी के पास है। जिस पर भक्ष्याभक्ष्य विवेकविहीन अपसंस्—ति का आक्रमण हुआ है। यदि नारी दृढ़ व तेजस्वी रहे तो किसकी मजाल कि रसोईघर की पवित्रता को नुकसान पहुँचा सके। इसके अतिरिक्त नारी जिन भावों और विचारों के साथ भोजन तैयार करती है, उनका अच्छा-बुरा प्रभाव भोजन करने वालों पर भी पड़ता है। अतः गृहिणी को सदैव सदभावों, श्रेष्ठ विचारों और प्रसन्नता के साथ भोजन तैयार करना चाहिये।

नारीशिक्षा की महत्ता -

आज जहाँ टेलीविजन, विज्ञापन, फिल्म, मीडिया तथा घासलेटी-भड़कीले साहित्य के द्वारा नारी को अत्यन्त वि—त और अश्लील रूप में प्रदर्शित किया जा रहा है, वहाँ एक धर्मपरायण भारतीय नारी के लिए अपनी मान-मर्यादाओं, उज्ज्वल परम्पराओं तथा आत्म-गौरव को बनाए रखना मुश्किल किन्तु नितान्त अनिवार्य हो गया है। इसके लिए हमारे शाश्वत उदात्त जीवन मूल्य, संयमित जीवन शैली तथा नैतिक शिक्षण की उपयोगिता व अर्थवत्ता स्वयंसिद्ध है। आचार्य हस्ती के शब्दों में - 'यदि पुत्र को सुसंस्कृत नहीं बनाया जाए तो सिर्फ एक घर की हानि होगी, किन्तु यदि बालिका में सुसंस्कार नहीं दिये जाएँ तो पितृधर और श्वसुरगृह दोनों को धक्का लगेगा तथा भावी संतानों पर भी कुप्रभाव पड़ेगा। अतः लड़की के शिक्षण-संस्कार पर अधिक ध्यान देना चाहिये।' वे अन्यत्र कहते हैं - 'लड़कियों की शिक्षा के साथ आपकी यह जिम्मेदारी है कि उनका जीवन सदाचारी रहे और व्यावहारिक शिक्षा के साथ उन्हें नैतिक और धार्मिक शिक्षा भी मिले।ß आज नारी शिक्षा के क्षेत्र में तो उत्साहवर्द्धक कीर्तिमान स्थापित कर रही है, किन्तु संस्कारों में आ रही गिरावट बहुत चिन्ताजनक है।

एक शिक्षित, संस्कारित और सुशील नारी न सिर्फ एक परिवार अपितु कई पीढ़ियाँ बचा लेती है। परिवार की धुरी नारी परिवार को बचा सकती है। परिवार बचेगा तो समाज और देश भी बचेगा। वर्तमान का दूषित वातावरण, हमारी शिक्षा-पद्धति और सम्बन्धित राजकीय नीतियाँ भारतीय नारी की गरिमामय छवि को कितना अक्षुण्ण रख पा रही है और रख पाएँगी, इसका निर्णय पाठक स्वयं करें और आत्म चिन्तन कर सही दिशा में कुछ अवश्य करें।

पारस जैन (IAF)

शाखा समाचार

शाखा अजमेर

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा शाखा अजमेर के द्वारा अजमेर के समस्त पल्लीवाल जैन समाज का 29.12.2019 को मिलन समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया जिसमें प्रातः 9:30 बजे णमोकार महामंत्र के जाप के साथ समारोह का शुभारम्भ किया गया। प्रातः 10 से 12 बजे तक अल्पाहार, साथ में शाखा के द्वारा शाखा सदस्यता, महासभा सदस्यता व पल्लीवाल जैन निर्देशिका व अजमेर पल्लीवाल समाज की निर्देशिका हेतु फार्म भरवाये गये। दोपहर 12 बजे डॉ. प्रदीप जैन (भारत हॉस्पिटल) के द्वारा ध्वजारोहण तथा 12 बजे से 3 बजे तक खेलकूद सभी आयु वर्क के महिला पुरूष, बालक-बलिकाओं के आयोजित किये गये। दीप प्रज्वलन श्री राजीव जैन एवं श्रीमती ललिता जैन, न्यू गोविन्द नगर, अजमेर द्वारा किया गया। चित्र अनावरण डॉ. विनोद जैन एवं किरणमाला किशनगढ़ द्वारा कराया गया। तत्पश्चात लगभग 3 बजे स्वागत एवं सम्मान समारोह प्रारम्भ किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री आर.सी.जैन साहब अध्यक्ष अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा, श्री प्रकाशचंद जैन पत्रिका संपादक, महासभा सदस्य श्री अशोक जैन थे। समाज के गणमान्य व्यक्ति श्री विजय जैन शहर कांग्रेस अध्यक्ष, सुनील दत्त जैन आर.एस.एस. शहर प्रमुख, श्री राजीव जैन, डॉ. प्रदीप जैन, डॉ. विनोद जैन, श्री हरीशचंद जैन शाखा अध्यक्ष अजमेर व ग्वालियर से पधारे राजीव जैन मंचासीन रहे। तत्पश्चात् श्री आर.सी. जैन साहब का कर्तल ध्वनी से समाज के प्रमुख व्यक्तियों द्वारा स्वागत किया गया एवं सम्मानित किया गया। श्री प्रकाशचंद जी, श्री विजय जैन, श्री सुनील दत्त जैन, श्री राजीव जैन, डॉ. प्रदीप जैन, डॉ. विनोद जैन, श्री राजीव जैन ग्वालियर व शाखा अध्यक्ष श्री हरीशचंद जैन का समाज के सभी वर्गों द्वारा हर्षोल्लास के साथ स्वागत किया। इसके साथ ही श्री विनोद जैन की पत्नी डॉ. किरणमाला जैन व श्री राजीव जैन की पत्नी श्रीमती ललित जैन का भी समाज की महिलाओं द्वारा हर्षोल्लास के साथ स्वागत किया गया।

तत्पश्चात् समारोह में आयोजित खेलकूद प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त महिला, पुरूष व बालक-बालिकाओं को मंचासीन पदाधिकारियों द्वारा पारितोषिक वितरण किया गया। इसके बाद समाज के उत्कृष्ठ बालक-बालिकाओं (खेलकूद, शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा) के सदस्यों को सम्मानित किया गया। इसमें 90 प्रतिशत स्कूल व 80 प्रतिशत महाविद्यालय शिक्षा वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। स्वागत व सम्मान समारोह के बाद मुख्य अतिथि श्री आर.सी. जैन साहब ने अपने उद्बोधन में समाज की प्रगति, विकास व अन्य जानकारियों से समाज के सभी लोगों को अवगत कराया। उन्होंने उपस्थित सभी धर्म प्रेमियों को समाज के प्रति अपने कर्तव्य व सेवाभाव के लिए प्रेरित किया एवं समाज में जागरूकता का नया संचार किया। अन्त में श्री हरीशचंद जैन द्वारा सभी मेहमानों का व धर्मप्रेमियों का कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त किया व सभी को सम्मानपूर्वक स्वरूचि भोज के लिए आमन्त्रि किया। इस पूरे कार्यक्रम के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए शाखा के रविन्द्र जी, प्रदीप, मुकेश पालीवाल, अनुज, सुशील कुमार, धीरेन्द्र कुमार, अक्षय, छगनलाल जी, रामअवतार जैन, सरीता, मंजू जैन, रंजनी जैन, कृतिका जैन एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्यों की मुख्य भूमिका रही। उनके प्रति भी समाज ने आभार व्यक्त किया।

शाखा समाचार

शाखा ग्रामीण अंचल आगरा

श्री 1008 आदिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर मिढ़ाकुर में परम पूज्य उच्चारणाचार्य 108 श्री विनम्र सागर जी महामुनिराज के परम आर्शीवाद व ससंघ मुनि श्री विज्ञसागर जी महाराज एवं मुनि श्री विनय सागर जी महाराज के सानिध्य में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव एवं विश्व शान्ति महायज्ञ 15 मार्च 2020 से हो रहा है। श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर मिढ़ाकुर में पांच सौ वर्ष प्राचीन अतिशयकारी एवं चमत्कारी प्रतिमाएं विराजमान है। श्री मन्दिर जी में नवीन वेदी व नवीन शिखर का कार्य भी हो रहा हे। अत: आप सभी से विनम्र निवेदन है कि मिढ़ाकुर (आगरा) में आकर पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में पधारकर धर्म लाभ लें। श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन समिति मिढ़ाकुर आपका हार्दिक स्वागत करती है।

कोटा शाखा

श्री सुनील जी सिंघी सदस्य अल्पसंख्यक आयोग भारत सरकार नई दिल्ली एवं श्री महेश जी जैन प्रदेशाध्यक्ष अल्पसंख्यक आयोग राजस्थान जयपुर से दिनांक 24.11.2019 को उनके कोटा प्रवास पर अ.भा. पल्लीवाल जैन महासभा कोटा शाखा के अध्यक्ष श्री पवन चन्द्र जैन उपाध्यक्ष सुभाष चन्द्र जैन मंत्री, पदम चन्द जैन, कोषाध्यक्ष, राजेन्द्र जैन पूर्व अध्यक्ष राकेश जैन पूर्व मंत्री अनिल कुमार जैन शाखा सदस्य, विनय कुमार जैन, भाग चन्द जैन, महावीर जैन, अन्य सदस्य एवं हिला मण्डल की अध्यक्षा श्रीमती शशि जैन एवं शकुन्तला जैन ने भेट की तथा उनका साफा बंधाकर, माल्यार्पण गरम जोशी से स्वागत किया उन्होंने समाज की व्यवस्थाओं के बारे में चर्चा की तथा अल्प संख्यक आयोग से मिलने वाले परिलाभों की जानकारी दी गई शाखा अध्यक्ष एवं मंत्री ने कोटा शाखा की कुछ समस्याओं के बारे में जानकारी दी गई इस सम्बन्ध में माननीय श्री सिंघी जी सदस्य अल्पसंख्यक आयोग रजस्थान जयपुर ने जिला प्रशासन के माध्यम से समस्या निवारण कराने का आश्वासन दिया कोटा शाखा की उनसे शिष्टाचार भेंट बहुत अच्छी रही।

श्री पल्लीवाल जैन महिला मंडल जयपुर

श्री पल्लीवाल जैन भवन पर हर माह की भांति महिला मंडल द्वारा 22 दिसंबर रविवार को नवकार महामंत्र का जाप रखा गया । इसी दिन विश्व णमोकार दिवस भी था । सभी महानुभावों ने उत्साहपूर्वक जाप का लाभ लिया।

जाप के लाभार्थी श्री राजेन्द्र जी जैन , श्री अशोक जी जैन रहे। इन्होंने अपने पिताजी (स्व. श्री मंगत राम जी) की पुण्य स्मृति के उपलक्ष्य में जाप करवाया ।

महिला मंडल को 3100 रूपए की राशि भेंट की । महिला मंडल की तरफ से बहुत-बहुत आभार ।

पूज्य पिताजी स्व. श्री कपूरचन्दजी जैन व माताजी स्व. श्रीमती अंगूरी देवी जैन की
पुण्य स्मृति में

विमल चन्द जैन (रेता वाले)

ग्रुप ऑफ कम्पनीज

DEALERS & SUPPLIERS OF SILICA SAND & OTHER GLASS RAW MATERIAL

AKHIL JAIN (M) 9899823557 • ANKIT JAIN (M) 9837478564

★ The Rajasthan Silica Sand Suppliers
★ Santosh Mineral & Chemical Co.
★ S.B. Jain Mineral Enterprises
★ Super Fine Mineral Traders
★ Shree Vimal Silica Traders
★ Quality Silica Traders

128-129, गणेश नगर,
सेक्टर प्रथम,
पानी की टंकी के सामने,
फिरोजाबाद (उ.प्र.)
सम्पर्क : 098372-53305
090128-74922
05612-260096

// श्री महावीराय नमः //

ॐ नमः

प्रथम पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

जन्म दिनांक
31.10.1944

निधन
28.01.2019

स्व.श्री सुदर्शन बनवारीलालजी जैन

हम सभी परिवारीजन आपको स्मरण करते हुए
श्रद्धापूर्वक नमन करते हैं।

पुत्र–पुत्रवधू
कपिल–स्मिता जैन
सचिन–आभा जैन

धर्मपत्नी
श्रीमती कमलेश जैन

पौत्र–पौत्री
शान्तनु, काव्या, अनन्या

अनुज–अनुजवधू
राजेन्द्र–विजया जैन

बहन
धनवन्ती जैन
मीना पुरीवाला

निवास
APEX MARKETING
13/4, साउथ तुकोगंज, बैंक ऑफ इंडिया कॉलोनी, इन्दौर
मोबा : 9826051296, 9826951296, 9920027883

प्रथम पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि

स्व. श्री राजेन्द्र प्रसाद जी जैन

जन्मः 14 जनवरी 1933 स्वर्गवास : 21 जनवरी 2019

: श्रद्धावनतः

श्रीमती सुधारानी जैन (पत्नी)

वीरेन्द्र कुमार जैन–इन्द्रा जैन (पुत्र–पुत्रवधु)
अनिल कुमार जैन–भारती जैन (पुत्र–पुत्रवधु)
मंजू लता जैन–स्व. कैलाश चंद्र जैन (पुत्री–दमाद)
डा.रमा जैन–डा.राकेश जैन (पुत्री–दमाद)
अभिषेक जैन–विशु जैन (पौत्र–पौत्रवधु)
डा.अर्पिता–विवेक, राशी–क्षितिज (पौत्री–दामाद)
इरा जैन (पौत्री), मयंक जैन (पौत्र), अविका जैन (पड़ पौत्री)

निवास : 116, मानस नगर, महोली रोड, मथुरा
प्रतिष्ठानः वी.के. ऑफसेट प्रिन्टर्स, जैन संस ट्रेडिंग कम्पनी,
डी. 42/43, इन्डस्ट्रीयल एरिया, मथुरा
मो. 9837022098, 9650235557, 9837950559

With Best Compliments From

Authorised Distributor for

- ★ Johnson & Johnson Ltd.
- ★ SD. BIO SENSOR
- ★ Ortho Clinical Diagnostics
- ★ Lifescan-Division, for one touch Brand Glucometers & Strips.
- ★ Biorad Laboratories
- ★ Alere Medical
- ★ Transasia Biomedical Ltd.
- ★ LILAC Medicare

Sanjay Jain - Rajeev Jain

S.R. Enterprises

223, Bichoon Market, Kishanpole Bazar, Jaipur-302 003
Ph.: (O) 2322089, 2323903 (R) 2546017 • Fax : 0141-4022089
(M) +91-98290 12628, 94140 76265

पत्रिका सदस्यता

- 3042 Sh. Hemant Ji Jain S/o Virendra Kumar Ji Jain, Flat No. 101, Luxriya Appartment, Plot No. 26,15, Vishnu Puri, Infront of Dalda Factory, Durgapura, Jaipur, Mob. 9413067282 (CRD 2211)
- 3043 Sh. Neeraj Kumar Ji Jain, Plot No. 8, Flat No. G-1, Prem Pushp, Keshv Vihar, Ridhi Shidi, Near Life care Hospital, Gopalpura bypass Road, Jaipur-302020, Mob. 9983671716 (CRD 2115)
- 3044 Sh. Vijendra Kumar Ji Jain, S/o Sh. Kapoor Chand Jain, B-168, 10B Scheme, Gopalpura By pass, Jaiur (Raj.) 302018 (CRD 2116)

पत्रिका सहायता

- श्री रतन चन्द जी जैन एवं डॉ. विनोद कुमार जी जैन, बीकानेर ने अपनी पूण्य माताजी श्रीमती मगन देवी जी जैन धर्मपत्नि स्व. श्री कपूर चन्द जी जैन की दिनांक 30.9.2019 के देहावसान पर उनकी पूण्य स्मृति में 5000/- रू. पत्रिका सहायता हेतु सप्रेम भेंद दिये। (CRD 2212)
- श्रीमती कृष्णा जैन ने अपने पुत्र अविनाश जैन के शुभ विवाह दीक्षा जैन पुत्री श्री गणेश चन्द जैन के संग 18.12.19 को सम्पन्न होने के उपलक्ष्य में 500/- सप्रेम भेट। (CRD 2117)
- श्री रोहित जी जैन एवं श्री शैलेन्द्र जी जैन 799/3ए, पालम गांव न्यू देहली ने अपने पूज्य पिताजी श्री ईश्वर चन्द जैन के दिनांक 15 दिसम्बर 2019 को देहावसान होने पर उनकी पुण्य स्मृति में 501/- रूपये सप्रेम भेंट दिये। (CRD 2214)
- श्री राज कुमार-मधु जैन, मानसरोवर, जयपुर ने अपने सुपुत्र आयुष अरिहन्त के शुभ विवाह संग आयूषमति साक्षी पुत्री श्री मनोज कुमार-अनिता जैन अलवर के यहां दिनांक 11.12.19 को सम्पन्न होने पर 1100/- रू. पत्रिका को भेंट। (CRD-2149)
- श्रीमती मधु जैन एवं श्री सतीश कुमार जैन फ्लेट नं. 2, प्लाट नं. 7डी, मतस्यगंधा अपार्टमेंट, गोकुलधाम सोसायटी, सेक्टर-7, विद्याधर नगर, जयपुर ने सुपुत्र श्री भारत कुमार जैन के दिनांक 18.11.19 को सम्पन्न विवाहोपलक्ष्य पर पत्रिका सहायता 1100/- भेंट। (CRD 2150)
- Rajendra Kumr-Pramod Kumar Jain, Kalakunj, Agra, Receip No. 4724, Rs. 500/-

महासभा सहायता

- श्री रोहित जी जैन एवं श्री शैलेन्द्र जी जैन, 799/3ए, पालम गांव न्यू देहली ने अपने पूण्य पिताजी श्री ईश्वर चन्द जैन के दिनांक 15 दिसम्बर 2019 को देहावसान होने पर उनकी पूण्य स्मृति में महासभा सहायता हेतु 501/- सप्रेम भेंट किये। रसीद संख्या 4695
- Rajendra Kumr-Pramod Kumar Jain, Kalakunj,Agra, Receip No. 4724, Rs. 500/-

महासभा सदस्यता

- Sh. Rajiv Jan S/o Daya Chand Jain, 22, Baibhav Residency Karamyogi, Agra, Recipt No. 399
- Smt. Rekha Jain W/o Sh. Rajiv Jain 22, Baibhav Residency Karamyogi, Agra, Recipt No. 400
- Sh. Poonit Jain S/o Rajesh Kumar Jain, Ambia Sadan, Civil Lines, Alwar, Recipt No. 4726
- Sh. Rajesh Kumar S/o Gulab Chand Jain, Ambia Sadan, Civil Lines, Alwar, Recipt No. 4727
- Sh. Rekha Jain W/o Rajesh Kumar Jain, Ambia Sadan, Civil Lines, Alwar, Recipt No. 4728
- Sh. Piyush Jain S/o Rajesh Kumar Jain, Ambia Sadan, Civil Lines, Alwar, Recipt No. 4729
- श्री हरीश चन्द जी जैन पुत्र श्री स्व. श्री मदन लाल जैन, 95, दोलत विला, हस्ती विहार कॉलोनी, दौराही फाटक, अजमेर रसीद संख्या 4692
- श्रीमती रजनी जैन पत्नि श्री हरीश चन्द्र जैन 95, दोलत विला, हस्ती विहार कॉलोनी, दोराही फाटक, अजमेर। रसीद संख्या 4693

विधवा सहायता

- श्रीमती हेमलता जैन एवं श्री रविन्द्र कुमार जी जैन (अर्थमंत्री) अ.भा.प. जैन महासभा शाखा अजमेर) ने विधवा सहायता हेतु 12000/- रू. सप्रेम भेंट किये। रसीद संख्या 4694
- श्रीमती संगीता जैन, काला कुँआ, हाऊसिंग बोर्ड, अलवर ने अपने पति स्व. श्री पवन कुमार जैन (हरसाना वाले) की द्वितीय पुण्य तिथि पर 6.2.18 पर 5000/- रू. रसीद संख्या 4730 भेंट।
- श्री बाबू लाल जैन (नोगावा वाले) पालम, नई दिल्ली-45, ने अपनी पूजनीय माताजी स्व. श्रीमती सोमोती जैन की पुण्यस्मृति पर 6000/- रसीद संख्या 4725 भेंट किये।
- श्री रतन चन्द जैन एवं डॉ. विनोद कुमार जैन, बीकानेर (राज.) ने अपनी माताजी श्रीमती मगन देवी जी जैन पत्नि स्व. श्री कपूर चन्द जी जैन की दिनांक 30.9.2019 को देहावसान पर उनकी पुण्य स्मृति में दो विधवा सहायता हेतु 24000/- सप्रेम भेंट किये। रसीद संख्या 4690
- श्रीमती आशा जैन एवं श्री अशोक कुमार जैन, शाहपुरा, जयपुर ने विधवा सहायता हेतु 12000/- रू. सप्रेम भेंट किये। रसीद संख्या 4691

बधाई

- सर्व श्री सिद्धान्त जैन (जयपुर) श्री अंकुर जैन (हिण्डोन सिटी) एवं श्री मुकुल जैन (लक्ष्मणगढ़) को भारतीय सिविल सेवा परीक्षा की मुख्य लिखित परीक्षा पास करने पर हार्दिक बधाई एवं साक्षात्कार में सफलता हेतु अग्रिम शुभकामनाएं। वर्तमान में श्री सिद्धान्त जैन आई.पी.एस. एवं श्री अंकुर जैन आई.एफ.एस. में कार्यरत हैं इन होनहार युवकों ने पल्लीवाल जैन समाज को गौरवान्वित किया है। पल्लीवाल जैन शिक्षा समिति होनहार युवकों की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देती है।
- कुमारी चारू जैन पुत्री श्री अनिल कुमार जैन (अलिपुर वाले) की सीए उत्तीर्ण होने पर अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा हार्दिक बधाई देती है एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है।

शोक संदेश

- श्री सुमेर चन्द जी जैन (अलवर वाले) गोविन्द नगर पश्चिम, आमेर रोड, जयपुर का स्वर्गवास 85 वर्ष की आयु में 02 दिसम्र 2019 को हो गया है आप मिलनसार, धर्मपरायण एवं सहज स्वभावी थे।

- श्रीमती उगन्ति देवी जैन पत्नि स्व. श्री फूलचंद जैन (कजौली वाले) किशन नगर हिंडौन सिटी का निधन 12.1.2020 को हो गया है। ये मिलनसार, सामाजिक एवं धर्म के प्रति निष्ठावान थी।
- श्री बाबूलाल जी जैन (कटकड वाले) मंडावरा फाटक, हिण्डौन सिटी का आकस्मिक निधन 20.1.2020 को हो गया। ये मिलनसार, धर्मनिष्ठ एवं सामाजिक व्यक्तित्व के धनी थे।
- श्री जयन्ती प्रसाद जी जैन, निवासी-मिढ़ाकुर का स्वर्गवास दिनांक 15.01.2020 को हो गया। आप मिलनसार एवं धार्मिक प्रवृति के व्यक्ति थे।

- रेवती प्रसाद जैन (बीचगांवां वाले) का आकस्मिक निधन 15.1.20 को हो गया। आपका चला जाना समाज के लिए बहुत बड़ी क्षति है। आप अखिल भारतीय पल्लीवाल श्वेताम्बर संघ के उपाध्यक्ष पद को सुशोभित कर रहे थे। आप ने समाज के भिन्न पदों रहते हुये समाज के उत्थान के अनेक कार्य किये। आप सरल स्वभाव सामाजिक एवं धर्म के प्रति अटूट निष्ठावान थे।

सभी दिवंगत आत्माओं को अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा श्रृंद्धाजलि अर्पित करती है।

बैठक की सूचना

आगामी मीटिंग निवेदन

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा की केंद्रीय कार्यकारिणी की षष्ठम (छठी) मीटिंग दिनांक 23/02/2020 रविवार को पुणे (महाराष्ट्र) मे आयोजित की जा रही है जिस का विवरण निम्नानुसार है :–

बैठक का दिन एवं दिनांक : रविवार, 23 फरवरी 2020
बैठक का स्थान : गजीबो बैंक्वेट हॉल, युग होण्डा के पास, वकाड़, पिम्परी, चिंचवड़ पुणे (महा)
बैठक का समय : प्रातः 11:15 बजे

कृपया निर्धारित समय एवं स्थान पर बैठक में उपस्थित होकर अनुग्रहीत करें।

गणपूर्ति के अभाव में स्थगित बैठक 1 घण्टे उपरांत पुनः इसी स्थान पर प्रारंभ की जावेगी।

–: बैठक की कार्यसूची निम्नवत् है :–

1. मंगलाचरण।
2. 29 सितम्बर 2019 हिण्डोन में संपन्न मीटिंग की कार्यवाही की पुष्टि।
3. राष्ट्रीय पल्लीवाल युवा खेल प्रतियोगिता आयोजन पर विचार।
4. शाखाओं के प्रगति विवरण पर चर्चा।
5. डॉक्टर्स, इंजीनियर्स फोरम की प्रगति पर विचार।
6. मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह 2019–20 के आयोजन पर विचार।
7. विधान संशोधन पर विचार।
8. अन्य विषय अध्यक्ष महोदय की अनुमति से।
9. शांतिपाठ

अध्यक्ष के आदेशानुसार

(राजीवरतन जैन)
राष्ट्रीय महामंत्री

नोट :– मीटिंग में पधारने वाले महानुभावों को ठहरने की व्यवस्था हेतु निम्नलिखित संपर्क नंबरों पर पूर्व में सूचित करें।

–: संपर्क सूत्र :–

1	नितीत्त जैन	राष्ट्रीय युवा संयोजक	9930753826
2	हिमांत्तु जैन	पुणे	8007360006
3	शान्तनु जैन	पुणे	9828255503

तेहरवीं पुण्यतिथि पर शत्-शत् नमन करते हुऐ
भावपूर्ण श्रद्धांजलि

स्व. श्री मुलतान चंद जी जैन
(खोह, अलवर)
देवलोक गमन : 19 जनवरी 2007

स्व. श्रीमती अशरफी देवी जी जैन
(देवलोक गमन : 19 सितम्बर 2009)

हम सब परिजन आपके प्रेरणादायक जीवन व आदर्शों को हृदयस्थ रखते हुए श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधु :
सुमति चंद जैन-किरण जैन
श्रीचंद जैन-सविता जैन
भतीजे :
धर्मचंद जैन, अनिल जैन, *शाहदरा*
अनुपम जैन, *जनकपुरी, देहली*
राजेन्द्र कुमार जैन, राकेश कुमार जैन
बड़ के बालाजी, जयपुर
पड़पौत्री :
भानवी, इतांसी, श्रुवि, श्रव्या
पड़ दोहिती, दोहते :
आयुषी, दिव्या, मीनल, आद्या,
तुषार, अद्यांश, अद्विक

भ्राता :
प्रकाशचंद जैन
जनकपुरी, देहली
बहनोई :
श्री रतन लाल जी जैन, मण्डावर

पौत्र-पौत्रवधु :
मनीष जैन-रेणु जैन
विजय जैन-श्रुति जैन
अजय जैन-कविता जैन
पौत्री-पौत्री दामाद :
नीरू जैन-श्री सुरेश चंद जैन,
परवैणी वाले, जयपुर
रचना जैन-श्री अजीत कुमार जैन,
मण्डावर वाले, जयपुर
शालु जैन-श्री पंकज जैन,
भरतपुर वाले, जयपुर
प्रीती जैन-श्री अमित जैन,
अजमेर

निवास : 110, अशोक विहार विस्तार, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर
फोन : 0141-2502760, 9414784754

मुझे गर्व है - मैं जैन हूं।

सभी को सादर जय जीनेन्द्र, सबसे पहले तो आप सभी को नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं। आशा करता हूँ आप सभी ने नववर्ष बड़े ही उत्साह पूर्वक तथा सावधानी से मनाया होगा। नव वर्ष कुछ ने जीनेन्द्र देव की पूजा से मनाया होगा या फिर किसी ने देर रात तक पार्टी कर सुबह देर से नए सूरज के दर्शन किए होंगे। कहीं सूरज की पहली किरण से नया साल शुरू हुआ तो कहीं कोहरे के अंधेरे मे नया साल शुरू हुआ. चाहे कुछ भी हो लेकिन नया साल शुरू हो गया। नई उमंग नई तरंग नया जुनून लिए मैं भी नया साल मे एक नया प्रण लेने की नई बात लेकर आया हूं।

भारत की जनसंख्या के एक छोटे से हिस्से मे हम जैन अपना अलग वर्चस्व रखते हैं. जनगणना के अनुसार भारत की जनसंख्या मे 0.37 प्रतिशत जैन है। वर्चस्व की बात करे तो हम हमारे तप त्याग अहिंसा पवित्रता और ब्रह्मचर्य के लिये बड़े बड़े लोग लोहा मानते हैं। फिर भी हमारे समाज के बच्चे अभिमान स्वरुप समाज की गरिमा बखान नहीं कर पाते हैं. क्यों कि समाज के प्रमुख और सम्मानीय व्यक्तिजिन्होंने अपने अच्छे कामों से समाज को गौरवांवित किया है उन्होंने अपने जैन होने का कोई प्रमाण अपने नाम के साथ नहीं लिखा है. जैसे कि हम मे से ही कुछ जैन भाई अपना गोत्र या पालीवाल अग्रवाल लिखते हैं। यहाँ मैं कुछ ऐसे ही लोगों के नाम तथा उनके द्वारा किए गए उच्च कार्यो के बारे मे बताने जा रहा हूं। सर्वप्रथम आते है हमारे समाज को पहचान दिलाने वाले श्रीमान वीर चंद गाँधी. इन्होने ही सबसे पहले जैन धर्म को सभी धर्मों की विश्व संसद मे पहचान दिलाई थी। इन्होंने जैन धर्म को धार्मिक मान्यता दिलाने और जैन धर्म के अधिकारों के लिए विश्व संसद मे बात रखी थी। इन्होंने जैन धर्म के ऊपर कई पुस्तकें भी लिखी है। दूसरे नम्बर पर आते है ॐ. विक्रम साराभाई. कौन नहीं जानता इस महान शख्सियत को. ये वो सम्माननीय व्यक्तिहै जिन पर समाज को ही नहीं पूरा देश को गर्व है। भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान में और नाभिकीय ऊर्जा के विकास में इनका महत्वपूर्ण योगदान है. इन्हें भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन का पिता कहा जाता है। इन्हें पदम भूषण और पदम विभूषण से सम्मानित किया गया है।

तीसरे नम्बर पर पदम भूषण से सम्मानित और महिला सशक्तिकरण मे अहम भूमिका निभाने वाली श्रीमती देविका जैन जी है। इनके द्वारा नारीवाद पर लिखी प्रसिद्ध पुस्तक Women in India मे उन्होने खुद का भी जिक्र किया है। देवकी जी बहुत ही साहसी और राष्ट्रहित मे कार्यरत महिला थी। सभी कहते है जैन व्यापार मे उतने ही अच्छे होते हैं जितने कि संस्कार और धर्म मे, ये व्यापार मे भी धर्म का पालन करते हैं। श्रीमान अजित गुलाब चंद जी का नाम समाज के प्रमुख व्यापारीयो मे आता है. ये Hindustan Construction Company के डायरेक्टर है और NICMAR के चेयरमैन रह चुके हैं। इनके अलावा समाज मे और भी बहुत से लोग है. जैसे श्रीमान गौतम अडानी जी. श्रीमान मोतीलाल ओसवाल,. श्रीमान सेठ हुक्म चंद जी आदि। कला के क्षेत्र में भी जैन समाज पीछे ना रहा है. गुन्देचा ब्रदर्स ने भारतीय शास्त्रीय संगीत को ऊंचाइयों मे पहुँचाने मे योगदान दिया है। आज भी कई चर्चित चेहरे है परंतु हम उन्हें नहीं जान पाते हैं। आबीगली जैन नायिका, हरशद चोपड़ा जी नायक कल्याण जी शाह संगीत निर्देशक, निरव शाह जी छायाकार है।

खेल के क्षेत्र में भी हम जैन पीछे ना रहे हैं. बहुत कम ही सही परंतु हम खेल के क्षेत्र में पहुंचे तो है। दिलीप दोशी जी. अंजू जी भारतीय क्रिकेट टीम का हिस्सा रहे हैं। ये एकदिवसीय और टेस्ट मैच में भारत की ओर से खेला करते थे। दक्षिण भारत से Phadeppchaugle भारत की और से दौड़ने वाले एकमात्र जैन खिलाड़ी थे।

मशहूर कवि श्री बनारसी दास जी भी जैन थे। इनकी कविताओ मे वीर रस तथा प्रभु भक्तिका एक अलग ही वर्चस्व होता है। आज भी समाज के कुछ बड़े बुजुर्ग इनकी कविताओ को सुनाते है। मशहूर नाटक तारक मेहता का उल्टा चश्मा के लेखक श्री तारक मेहता साहब भी एक जैन है। श्री नाथूराम प्रेमी जी. श्री बाल पाटिल जी भी जैन धर्म के पालक थे।

सूची अभी और भी लंबी है तथा बहुत से जैन धर्म के अनुयायी और जैन समाज के सदस्य देश विदेश मे समाज को सम्मान दिलाने के कार्यो मे लगे हुए हैं। आशा करता हूँ आप लोगों को मेरा ये लेख पसन्द आया होगा और इस नए वर्ष मे आप सभी मेरे साथ मिल कर एक प्रण ले कि हम अपने समाज को नाम के आधार पर नहीं बाटेंगे और अपने जैम समाज के सम्मान और गर्व के लिए अपने नाम के आगे जैन लिखेंगे। हम अपने बच्चो को जैन धर्म की शिक्षा के साथ साथ जैन धर्म समाज को गौरव दिलाने वाले लोगों के बारे में भी बतायेंगे। अपने बच्चों को उनकी रुचि के अनुरूप उनके जीवन का मार्ग चुनने देंगे ताकि जैन समुदाय को और गौरवांवित करा सके।

कार्तिक जैन (The... Jain)
नौगावां

सोच के फर्म से बनता है इंसान का व्यक्तित्व

असफल व्यक्ति

1. दूसरों की आलोचना करते है
2. मन में दुश्मनी पाल कर बैठ जाते हैं
3. सिर्फ अधिकार की बात करते हैं, कर्तव्य की नहीं
4. अपनी असफलता का कारण दूसरों को बताते हैं
5. सारा समय व्यर्थ कामों में लगाते हैं
6. बदलाव से डरते हैं
7. जमीनी हकीकत से दूर, अति उत्साहित रहते हैं
8. दूसरों के बारे में बातें करते हैं
9. अपना ज्ञान किसी में नहीं बांटते
10. हर वक्त गुस्से में रहते हैं
11. उन्हें लगता है की वो सब कुछ जानते हैं
12. हर चीज में फायदा और नुक्सान देखते हैं
13. मन ही मन दूसरों की असफलता चाहते हैं

सफल व्यक्ति

1. दूसरों को हमेशा ही सराहना करते हैं
2. सबको माफ कर देते हैं
3. अपनी गलतियों की जिम्मेवारी स्वयं लेते हैं
4. सबको खुश और जीतने देखना चाहते हैं
5. अपने आप में सुधार का प्रयास लाते हैं
6. दूसरों के प्रति आभार प्रकट करते हैं
7. अपनी असफलता का श्रेय सब में बांटते हैं
8. रोज कुछ नया पढते हैं
9. नए आईडिया की बात करते हैं
10. अपने विचारों को साझा करते हैं
11. खुशी बांटते हैं
12. परिवर्तन लाते हैं
13. अपने हर प्रोजेक्ट की लिस्ट रखते हैं
14. इन्हे क्या बनना होता है, इन्हे पता होता है
15. हमेशा लक्ष्य बनाते हैं
16. लगातार नया सीखते हैं
17. अपने आप में सुधार लाने का नजरिया लाते हैं

पूज्य पिताजी एवं पूज्य माताजी की

पुण्य स्मृति में

स्व. श्री अमीर चन्द्र जी जैन *(कपड़े वाले)*
(स्वर्गवास 07-06-2009)

स्व. श्रीमती अशर्फी देवी जी जैन
(स्वर्गवास 16-10-2002)

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधु :
विनोद कुमार जैन-सुधा जैन
पौत्र-पौत्रवधु :
निशान्त जैन (M.S.)-साक्षी जैन

पौत्री-दामाद :
मीनाक्षी-गौरव जैन
तनूजा जैन (SAP Cloud Consultant)
पड़पौत्री : रोशिका जैन

Residence :
406, Nai Basti, Sant Talkies Road,
Firozabad-283203

(M) 9412160859, 7060443607

प्रतिष्ठान :
जैन अमीर टैक्सटाइल
(जैन्ट्स क्लोथ डीलर)
रेमण्ड, रीड एण्ड टेलर एवं
उच्च कोटि के सूटिंग-शर्टिंग
Shop :
47, Chandra Shekar Market
Sadar Bazar, Firozabad-283203

जनवरी 2020 के वैवाहिक विज्ञापन

वधु की तलाश

- Satyam Jain S/o Sh. Bholaram Jain Pansari, DOB 08.07.1993 (1:42 A.M.) Morena, M.P, Height 5'5", Education BBA, MBA (Marketing) Occupation: Arihant Pharma Bhopal (Wholesale & Retail Medical Shop) Income 12 Lakh per year, Address: Ashish Medicose Mohana, Distt. Gwalior (M.P.) E-mail: satyamj414@gmail.com, Contact: 9425757414, 9893359596
- Shreyans Jain s/o Shri Bharat Jain, Advocate, Alwar, DOB 02.03.1993, H-171 cm, Qualification B.Tech, IIT Mumbai, working in Hong Kong in Flow Traders Pte. Ltd. Annual Income 3 Crore, requires well educated, working, beautiful, slim girl. Send B&P at whatsapp no. 9414490586 or email at bjain1201@gmail.com.
- Akant Jain, S/o Sh. Suresh Chand Jain, DoB: 13.11.1988, Height: 5'- 8", Education: B.Tech + MBA, Occupation: Company Coordinator working at Bangkok (Thailand) with KGK Group, Package: 11 LPA, Gotra (self): Rajeshwari, Gotra (mama): Maleshwari, Contact: Jain Bhawan, Gali No:- 11, Darukutta Mohalla, Road No.- 2, Alwar-301001, Rajasthan, Mob: +91-9414641566, Landline: 0144-2345479, Email: prateek_lietl1@yahoo.com .
- Vinit Kumar Jain S/o Shri Rajendra Prasad Jain, Dob 17.7.1988 (8:25 PM, Bharatpur) Height 5'9", Education B.Tech, In Mechanical Engineers, Occupation Assistant Manager (Engg.) in Rajasthan Coperative Dairy Federation, Ceattle feed Plants, Nadbai Bharatpur, Gotra Self-Ladori, Mama-Athvrsia Contact: Plot No. 14, Ranjeet Nagar, Near Jaintemple Bharatpur. 9413444164, 9414348915
- Arpit Jain S/o Sh. Narendra Kumar Jain, Dob. 12.09.1992 (at Jaipur) Height 5'7", Education M.Tech (VLSI) Nit Bhopal 2017, Occupation Software eng. at Hadrabad (Snopsis), Income 12 LPA, Gotara- Self Ledoria, Mama Bayania, Contact ward No. 7, kherli (Alwar), Mob. 9413907815, 7976035342, E-mail arpitkherli@gmail.com
- Abhishek Jain S/o Mr. Mahesh Chand Jain (advocate) dob 8 Nov. 1988, 11:17 Am, height 6'1" Qualification M.Com, MBA (Finance) C.A. Final (Pursing) Occupation Working as credit Manager in A U Small Finance Bank Ltd. Jaipur, Salary 4.90 Lakh PA, Gotra Self-Baroliya, Mama Sangarwasia, Contact B-262, Hari Marg, Malviya Nagar, Jaipur, 9414044422, 9414775486, Email: abhjn8@gmail.com
- Saurabh Jain S/o Sh. Subhash Jain (RTO Advisor) Dob. 15 May 1993, 4:45Am., Jaipur, Height 179cm(5'10") qualification- B.Tech (CS) from NIT Jaipur, Occupation Soft ware developer in Bengaluru, Salary 22 Lakh PA. Gota Self-Kher, Mama-Rajoria, Contact 9588082075, 9588074045, E-mail: saurabh4768,jain@gmail.com
- **शुभम जैन पुत्र स्व. श्री राजेश जैन, जन्म तिथि 13 जुलाई 1994, शिक्षा एमबीए, व्यवसाय- मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव, मै. अम्बूजा सीमेन्ट, वार्षिक आय 4 लाख रूपये सम्पर्क, 9529397529**
- Kapial Kumar Jain S/o Davendra Kumar Jain, Dob. 15.06.1988. 7:9am, Alwar, height 5'7" Qualification Diploma (Mech Engg.) Occupation Engineer in a Company at Alwar, Salary 3 Lakh PA, Gotra Self Belanvasia, Mama- Lododia, Contact 8802118298, Email:rohitjain1012@rediffmail.com
- C.A. Akhilesh Jain Dob 26.09.1989, Chartered Accountant Gotra Anmeshwariya and Chorbhambar, Working in air port Authority of India (PSU under central Govt.) Present posting at Surat airport (Gujrat) CTC 13 Lakhs, living in Jaipur.
- Anshul Jain S/o Sh. Pushpendra Jain, Dob.

14 March 1994, 9.12am, Agra, Height 5'11", Qualification B.Com. own business Stationary & Ready made shop gotra self-salawadia, Mama-Maimuda, contact VPO Midhakur (Agara) 9410006648, 8445463430

- Ankush Jain S/o Shri Suresh Chand Jain (Amin) Dob 13 July 1990 Occupation Rajya Bhasha Officer, Raipur (Chhatish Garh) Gota Self-Janutharia, Mama Maleshwaria, Cont. 8006593560
- Rishi Jain S/o Sh. Prawal Kumar Jain Dob 22 Jan 1991, time 1:03PM, Height 5'7", Qualification B.com, Occupation own business printing press and zerox shop, Gota Self-Budh eswal, Mama-Maimoda
- Ravindra Jain S/o Sh. Harendra Kumar Jain Dob 10 June, 1993, Achnera (Agra), Height 5'4" Education BE (I.T.) Occupation Working as soft ware engineer, with publics sapient in Gurgaon and salary 10+ Lakh PA, Gotra Self-Chaurbambar, Mama-Rajoria, ontact 1438 Mohan Girara, Achenera, Agara, 9410205323. 7895852453
- Kushal Jain S/o Sh. Vinod Kumar Jain, Dob 23.12.1991 at 7:50am, Agra, Height 5'8", Qualification B.tech (I.T.) Occupation EXL Services Pvt. Ltd. Greater Noida, Salary 12 Lakh PA, Gotra Self-Kotiya, Mama- Garg Contact: House No. 29, PAK Brijvihar Colony, Kamla nagar, Agara, 6395524546, 9897717596, Email: vinodkumarjainagara@gmail.com
- Neeraj Jain S/o Ashok Kumar Jain, dob. 4.4.1991 at 7am., Height 5'3", Education BCA, MBA, Ocupation HDFC Bank, Salary 5 Lakh PA. Gotra Self-Chorambar, Mama-Kasmiriya, Contact: 8445922449
- Vaibhav Jain S/o Late Sh. Subhash Chand Jain, Dob. 19.10.1987 at 5:10am at Alwar, Height 5'8", Education B.Com, MBA (Finance), Occupation Assistant Manager, The Laxmi Vilas Bank Ltd. Jaipur, Salary 65 Thousand PM. Gotra Self-Aameshwariya, Mama-Kashmariya, Contact: Kala Kaua, Alwar, 9414277217, 9829677217, Email: arpit.1984@gmail.com
- Shashank Jain S/o Sh. Devendra Kumar Jain (Gangapur City), Dob 02.07.1991 (at 03:59am) Rawatbhata (Kota) Education B.Tech (Mech.) MBA from IBS Hyderabad, Occupation Managing Director LEMARIC CERAMIC at Hubli (Karanataka) Income 12 Lakh PA, Gotra Self- Barolia, Mama-Amesheriya Contact Sh. D.K. Jain, Project Engineer RAPP, Rawatbhata, Mob. 9413346539, 9414940675 Email: ushajain20a@gmail.com

वर की तलाश

- Srishti Jain D/o Sh. Sudhir Kumar Jain Dob. 26.06.1991 at 8-15Pm, Aligarh U.P. Height 5'2", BSC, B.Ed (TET Cleared) Teacher Pvt. School Rs. 10,000/- P.M. Wheatish Fair Slim, Gotra Self-Jevaria, Mama- Gangerwal, Contact 35, Jain Street Palki Khana, Ali Garh, UP. 202001, Mob. 8126067350
- Priyanka Jain (Manglik) D/o Saral Kumar Jain, Dob 06 Aug. 1985, Aligarh (U.P.) Height 5'2" fair colour qualification, B.A., Gotara Self-Jawaria, Mama-Sankhiya, Contact: Jainstreet chippite Aligarh, 6395288036, 9058605560
- Deeksha Jain D/o Sh. Subhash Jain (RTO Advisor) Dob. 04 June 1994, 6:45Am., Jaipur, Height 162cm(5'4") Wheatish cloour qualification- MSc. in Biotech, IIT Roorkee, Occupation-Junior Research Fellow (JRF) at IIT Delhi Gotara Self-Kher, Mama-Rajoria, Contact 9588082075, 9588074045, E-mail: saurabh4768,jain@gmail.com
- Deepika Jain (Manglik) Dob. 10.02.1991 (12.02Pm) at Gangapur City) Height 5'3", fair colour qualification Graduate, Gotra Self-Nagesuriya, Mama-Rajoria, Contact: 8, Flat No. G-1, Prem Pusp Keshav Vihar, Ridhi Sidhi, Jaipur, 9460124713, 9983671716
-

QUALITY WORKS • PROMPT SERVICE • COMPETITIVE RATES

PRODUCTS :
Transmission Line Towers (HT&LT), Telecom Towers,
Wind Mill Structures, Sub-Station Structures, Lattice Structures,
RSJ Poles & GI Earthing Strips.

FULLY EQUIPPED ULTRA MODERN FABRICATION AND GALVANIZING PLANT WITH EOT CRANES, HOISTS, POWER TROLLEYS, TESTING LABS & ETP SYSTEM TO ENSURE GREEN ENVIRONMENT

Fabrication & Galvanizing done as per
IS, BIS, ASTM, DIN & ISO Standards
Bath Size : 9m (L) x 0.8m (W) x 1.4m (D)
Plant Capacity : 18000 Tons / Year

Vijay Transmission PVT. LTD.

Plant :
PNH No. 100, Village Kanhera, Block Dharsiva, Uria Acholi Marg, Dist. Raipur-492001
Tel.: (0771) 305 4900 • Fax : (0771) 232 3162

Corporate Office :
210, 211, 2nd Floor, Kamla Space, S.V. Road, Santacruz (West), Mumbai-400054
Tel.: 022-262183401 • Fax : +91-022-26609915
E-mail : info@vijaytransmission.com

Shradhanjali

Late Shri Kapoor Chand Ji Jain

Late Smt. Shanti Devi Ji Jain

fondly remembered by

Son and Daughter in law :

Ashwani and Seema Jain

Daughter and Son in law :

Late Sudha Jain - Sudhir Kumar Jain

Suman Jain - Santosh Jain

Sushma Jain - Nishid Jain

Grandson :

Devank Jain - Ashwat Jain

Firm :

★ **Riddi Siddi Commercial Complex,** ***Alwar***

★ **KS Creators,** ***Jaipur***

Residence :

"Navkar" 24-A, Surya Nagar, Ganesh Marg, Gopalpura Byepass, Jaipur-302015

Ph.: 0141-2503944, Mob.: 9829012013, 9413345046, 9460060807

वैवाहिकी

सूचना

1. पत्रिका में प्रकाशित वर/वधू की तलाश के अंतर्गत विवरण की सत्यता से सम्पादक अथवा पत्रिका का किसी भी प्रकार का दायित्व नहीं हैं। वर/वधू दोनों पक्ष पूर्ण जानकारी अपने स्तर से करने के बाद ही संबंध स्थापित करें।
2. पात्रों के विवरण में आयु के स्थान पर जन्मतिथि तथा आय चार/पांच अंको में, के स्थान पर वास्तविक आय लिखें।

नोट : प्रकाशन योग्य सामग्री एवं संबंध होने की सूचना पत्रिका संयोजक को प्रषित करें जिससे आगामी अंक में विज्ञापन का प्रकाशन किया जाये या न किया जाये।

वर की तलाश

★ **कृति जैन** पुत्री श्री अनिल कुमार जैन, जन्मतिथि 18.11.1994 (प्रातः 03:52, फ़िरोज़ाबाद), लम्बाई– 5'–3'', रंग गोरा, शिक्षा– एम.बी.ए (एच.आर.), गोत्र : स्वयं– बारोलिया, मामा– गंगवाल, संपर्क : 58ए/36/1बी, जैन मंदिर के पीछे, ज्योति नगर, अर्जुन नगर, आगरा–282001, मो.: 9837662521, 9897492759, ईमेल : aniljainfzd58@gmail.com *(नवम्बर)*

★ **गरिमा जैन** पुत्री श्री सुशील कुमार जैन, जन्मतिथि 17.05.1995 (प्रातः 5:00 बजे, फिरोजाबाद), शिक्षा– बी.टेक. (Electrical Engineering), गोत्र : स्वयं– सलावदिया, मामा– अठवर्षिया, सम्पर्क : म.नं. 10, टीचर्स कॉलोनी, रामगंजमंडी, जिला कोटा, मो.: 8619280423, 7976506214 *(नवम्बर)*

★ **आशिमा जैन** पुत्री श्री पवन कुमार जैन, जन्मतिथि 25.07.1996 (प्रातः 7:45 बजे), कद– 5'–1'', शिक्षा– एम.ए. (हिन्दी), रंग गोरा, सम्पर्क : श्री पवन कुमार जैन, मुन्शी बाजार, बडेरिया पारी, अलवर, मो.: 8824807040, 8239389222 *(नवम्बर)*

★ **डॉ. अदिती जैन** पुत्री श्री विमल चन्द जैन, जन्मतिथि 19 अक्टूबर 1987 (दोपहर 1 बजे), कद 5'–3'', शिक्षा– एम.बी.बी.एस., एम.डी. एनेस्थीसिया आई.डी.सी.सी.एम., मनीपाल हॉस्पीटल, सीकर रोड, जयपुर में कार्यरत, गोत्र : स्वयं– कोटिया, मामा– चौधरी, सम्पर्क : 43, जय नगर, रोड नं. 3 के सामने, विश्वकर्मा इण्डस्ट्रीयल ऐरिया, मुरलीपुरा, जयपुर–302039, मो.: 9829016524, व्हाट्सएप नं. 9829189246 *(दिसम्बर)*

★ **नवोदिता जैन** पुत्री श्री संजीव कुमार जैन, जन्म तिथि 31.03.1994 (प्रातः 11.45 बजे, खेरली), रंग गोरा, कद 5'–3'', शिक्षा– बी.ए., एम.ए. (पब्लिक ऐडमिनिस्ट्रेशन), गोत्र : स्वयं–बयानिया, मामा– चौडबम्बार, सम्पर्क : 87, प्रताप नगर, झोटवाड़ा, जयपुर, मो.: 8949352686, 9694635099 *(दिसम्बर)*

★ **Lipi Jain** (Anshik Manglik) D/o Sh. Nalin Kumar Jain, DoB 10.11.1992 (at 02:38 pm, Jaipur), Height 5'-3", Education B.Tech. (CS), Working in Pvt. Company on a package 3.50 LPA, Gotra : Self- Ladodiya, Mama- Maimuda, Contact : 9460765484, 9460434712 *(Sep.)*

★ **Yukta Jain** D/o Sh. Satyendra Kumar Jain, DoB 16.11.1993 (at 9:35am, Agra), Height 5ft., Education M.Com., B.Ed., Profession- Teacher, Gotra : Self- Chaurbambar, Mama- Kotiya, Contact : H.No. 9, Vishvkarma Vatika, Shahganj Road, Bodla, Agra, Mob.: 7520615933, 9410857876 *(Sep.)*

★ **Surbhi Jain** D/o Sh. J.K. Jain, DoB 23.09.1993 (at 7:55 AM, Gangapur City), Height- 5'-2", Occupation- Senior Associate, HR, Mindtree Ltd, Bangalore, Education- MBA (XIME, Bangalore), B.Tech (RCEW, Jaipur), Gotra : Self- Rajoriya, Mama- Chaudhary, Contact : E-1/325, Chitrakoot, Gandhi Path, Jaipur-302021, Mob.: 9887734133, 87694 21338 *(Sep.)*

★ **Astha Jain** D/o Late Sh. Vinai Kumar Jain, DoB 30.12.1989 (at 09:15 pm, Farrukhabad), Height 5'-3", Education- B.Tech., Working in TCS (Package Rs 10LPA), Gotra : Self- Salawadia, Mama- Badwasia, Contact : 2/414, Aravali Vihar, Alwar, Mob.: 9560035236, 7597572759, Email : arihant.arihant@gmail.com *(Sep.)*

★ **Divya Jain** D/o Sh. Naresh Chandra Jain, DoB 11.04.1994 (at 10:35 am, Anand, Gujarat), Height 5'-4" , Education- Bachelors in Computer Engineering, Working in Private Company, Ahemdabad, Gotra : Self- Sarang, Mama- Thakuria, Contact : 17, Krishana Park Society, Chavdapura, Jitodia Road, Anand, Gujarat, Mob.: 8200605454, 9427549521, Email : nareshjain6760@gmail.com *(Sep.)*

★ **Pratibha Jain** D/o Sh. Arvind Kumar Jain, DoB 20.02.1993 (at 4.30 pm, Jaipur) Height 5'-2", Education- B.Tech. (ECE), Occupation- Jr. Assistant, Ground Water Deptt. Jaipur, Gotra : Self- Nangeshwariya, Mama- Ambia, Contact : 75/215, Sector 7, Pratap Nagar, Jaipur, Mob.: 9571701507, 8385026055 *(Sep.)*

★ **Sapna Jain** D/o Sh. Mahendra Kumar Jain, DoB Oct. 1991, Height 5'-3", Fair Color, Education- M.Com, Job- Silver Export House, Jaipur, Gotra : Self- Kotia, Mama- Bhamaria, Contact : 9314851301

(Sep.)

★ **Yamini Jain** D/o Sh. Bharat Bhushan Jain, DoB 23.12.1992 (at 10:34 am, Alwar), Height 5Ft., Education- BBA, Occupation- PO in Bank of Maharashtra, Gotra : Self- Bairasthak, Mama- Barolia, Deficiency in Both Hands, Contact : 4, Maglanser Circle, Vijai Mandir Road, Alwar, Mob.: 9928653997 *(Sep.)*

★ **Shikha Jain** D/o Sh. Pavan Jain, DoB 07.05.1992 (at 08:07 am, Alwar), Height 5'-7", Education- CA, B.Com., Working with Price Waterhouse Copper & Co. LLP, Gurgaon, Salary- 15 LPA, Gotra : Chaudhary, Contact : 1/544, Aravali Vihar, Kala Kuan, Alwar, Mob.: 9414020800 *(Sep.)*

★ **Deepali Jain** (Manglik) D/o Sh. Ajeet Kumar Jain, DoB 31.10.1992, Height 5'-1", Education- B.Tech., M.Tech (EC), Working with ICICI Bank Hindaun City, Contact : Sh. Ajeet Kumar Jain, Opp. Chandra Sec. School, Hindaun City, Dist. Karauli-322230, Mob.: 9414400944 *(Sep.)*

★ **Chanchal Jain (**Anshik Mangalik) D/o Sh. Madan Mohan Jain, DoB 03.03.1987 (at 12:10 pm,New Delhi), Height -5'3", Education- B.Com, Working as Administration Executive having Income ranges : 3-5 LPA, Gotra : Self- Kotiya, Mama- Shreepat, Contact : 9971398320, 9811681949 *(Nov.)*

★ **Deepali Jain** D/o Sh. Satish Chand Jain, DoB 12.11.1993 (at 3:30 pm, Agra) Height 5'-2", Fair Complexion, Education- B.Tech (CS), Occupation- Working as HR (Recruiter) in Talent toppers, Noida, Gotra : Self- Salawadia, Mama- Bhatariya, Contact : HIG-49, Sector-9, Awas Vikas Colony, Agra, Mob.: 9412723536, 9756654633 *(Nov.)*

★ **Nitya Jain** D/o Sh. Narendra Kumar Jain, DoB 28.05.1991 (11:25am, Alwar), Height- 5'-4", Education- B.Tech. (Hon.), Pursued MBA in Finance (SCDL), Job Profile- Working as Business Analyst in Enuke Software Pvt. Ltd., Gurgaon, Gotra : Self- Maimuda, Mama-Barolia, Contact : 60, Scheme No. 8 (Extn.), Gandhi Nagar, Alwar, Mob.: 9413737641, 9414794395, Email : narendrajain0204@gmail.com *(Nov.)*

★ **Karishma Jain** D/o Sh. V.K. Jain (Nowgaon, Alwar wale), DoB 07.08.1991, Height 5'-3", Education- MBA in HR from Tata Institute of Social Science, Mumbai, Currently Working with Turtle Mint Mumbai as HR Professional, Salary 12 LPA, Gotra : Self- Aamiya, Mama- Bayania, Contact : Sh. V.K. Jain (Mumbai) 916755866, Shashi Jain 9820827871 *(Nov.)*

★ **Khushboo Jain** D/o Sh. Jinesh Jain (Nowgaon, Alwar wale), DoB 03.08.1993 (at 5:07 am, Jaipur), Height- 5'-1", Education- Chartered Accountant & Persuing CS Final Group, Currently Working with PWC (MNC) as Consultant, Gotra : Self- Aamiya, Mama- Bayania, Contact : Sh. Jinesh Jain (Times of India Jaipur), Mahesh Nagar Jaipur, Mob.: 9413339287, 9414845568 *(Nov.)*

★ **Ruchi Jain** D/o Sh A.K. Jain, DoB 04.05.1990, Height- 5'-2", Education- BBA, Degree Course in Mass Communication, Gotra : Self- Dhaati, Mama- Bahttriya, Contact : Sh. A.K. Jain, Jaipur, Mob.: 9414049584 *(Nov.)*

★ **Sakshi Jain** (Manglik) D/o Sh. Sunil Kumar Jain, DoB 02.10.1994 (at 07:37pm, Delhi), Education- M.Com., M.Ed., Occupation- School Teacher in Delhi, Gotra : Self- Chaurambar, Mama- Baroliya, Contact : 2/17, New Market, Sadar Bazar, Delhi Cantt, Mob.: 9818342651, 9899441662 *(Nov.)*

★ **Shweta Jain** D/o Lt. Sh. Subhash Chandra Jain, DoB 25.07.1993 (at 06:58 pm, Alwar), Height 5'-3.5", Fair and Smart, Education- B.Tech (NIT Jalandhar), M.Tech (NIT Surathkal), Working in GE Vadodara, Income- 8.5 LPA, Gotra : Self- Ladodiya, Mama- Nangeswariya, Contact : Poornima Jain, Alwar, Mob.: 7597738470, Email : scjpar@gmail.com *(Nov.)*

★ **Shikha Jain** D/o Sh. Munshi Lal Jain, DoB 13.04.1996 (at 09:15 pm, Jaipur), Height- 5'-2", Education- M.Com. (A.B.S.T.), Pursuing further studies for NET Exam, Gotra : Self- Atthvarshiya, Mama- Bahattariya, Contact : A-1/2, Tulsi Nagar, Shastri Nagar, Jaipur, Mob.: 9414893626 *(Nov.)*

★ **Matiri Jain** D/o Sh. Gajendra Kumar Jain, DoB 16.02.1996 (at 06:25 am, Jaipur), Height 5'-5", Fair Colour, Education- MCA, Tally, RS-CIT, Job- Teaching, Gotra : Self- Athavarsiya, Mama- Baintariya, Contact : B-54, Kirti Nagar, Near Jain Mandir, Tonk Road, Jaipur, Mob.: 9785812282, 9680154136, 8058157610 *(Nov.)*

★ **Anshu Jain** D/o Sh. Pawan Kumar Jain, DoB 06.12.1991 (at 1:15 PM, Kota), Height- 5'-2.5", Education- B.Tech., M.Tech., Occupation- Counsellor at LBS Group, Gotra : Self- Chaurbambar, Mama- Kathumaria, Contact : 36, Basant Vihar Special, Behind Modi College, Kota-324009, Mob.: 9829242662, 6376463993, Email : pawankumarjain56@yahoo.com, pawan42662@gmail.com *(Nov.)*

★ **Priyanka Jain** (Manglik) (Divorsed) D/o Sh. Saral Kumar Jain, DoB 06.08.1985 (at Aligarh), Height 5'-2", Fair Colour, Education- B.A., Gotra : Salf- Jewariya, Mama- Sankhiya, Contact : Jain Street, Chippite, Aligarh, Mob.: 6395288036, 9058606560 *(Nov.)*

★ **Shruti Jain** D/o Sh. Sanjeev Jain, DoB 05.09.1995 (at 6:50 am, Agra), Height 5'-3", Education- NIFT Bangalore (Fashion Designer), Presently Working with Zivane (Active Wear, Bangalore), Gotra : Kher, Contact : Sh. Shashi Kumar Jain (Grand Father), 145, Jaipur House, Agra, Mob.: 8218602577, 9675666878 *(Nov.)*

★ **Riya Jain** (Manglik) D/o Sh. Sunit Kumar Jain, DoB 30.11.1994 (at 00:38 am, Alwar), Height 5ft., Education- B.Tech., PG Diploma in Broad Cast Journalism, Gotra : Self- Barwasia, Mama- Gandharva, Serice at Rajasthan Patrika (Digital Division) Jaipur, Contact : B-92, Riddhi-Siddhi Nagar, Kunhadi, Kota, Mob.: 9413349533, 9588298235, Email : sunitjain321@gmail.com *(Nov.)*

★ **Deepika Jain** (Manglik) S/o Sh. Dharm Chand Jain, DoB 4.10.1992 (at 12:05 PM, Delhi), Height- 5'-3", Education- B.Com., MBA, Job- Working in Cognizant, Gotra : Self- Angras, Mama- Sangarwasiya, Contact : 9625400435, 7701836987 *(Nov.)*

★ **Archana Jain** D/o Sh. Sumer Chand Jain, DoB 11.11.1989 (at 05:30 AM, Alwar), Height- 5Ft., Slim, Fair, Sober & Smart, Education- M.A. (Hindi), B.Ed., Gotra : Self- Sangarwasiya, Mama- Chaudhary, Contact : 213, Vivek Vihar, Scheme No. 10A, Alwar-301001, Mob.: 9982154002, 9982993200 *(Nov.)*

★ **Shubhangi Jain** D/o Sh. S.K. Jain, DoB 1.08.1995 (at Aligarh), Height- 5'-1.5", Education- Bachelor Degree in Animation, Working as Free Lance, Gotra : Sataria, Contact : Flat No. 603, Bldg. No. 5, Kenwood Tower, Kenwood Park, Mira Bhayander Road, Mira Road (East), Dist. Thane-401107 (Maharashtra), Ph.: 02228127404, Mob.: 9969019635, Email : skjain5607@yahoo.in *(Nov.)*

★ **Anamika Jain** D/o Sh. Ravindra Kumar Jain, DoB 04.10.1995 (at 1:30 pm, Kota), Height 5ft., Education- M.A. (English), Gotra : Self- Barwasia, Mama- Bhorangiya, Contact : 202, Manak Bhawan, Janak Puri, Mala Road, Kota Jn., Mob.: 9413276409 , 9462633921 *(Dec.)*

★ **Surbhi Jain** D/o Sh J.K. Jain, DoB 23.09.1993 (at 7:55 am, Gangapur City), Height 5Ft., Education- MBA (XIME Bangalore), B.Tech. (RCEW Jaipur), Occupation- Senior Associate HR, Mindtree Limited, Bangalore, Gotra : Self- Rajoriya, Mama- Choudhary, Contact : E1/325, Chitrakoot, Gandhi Path, Jaipur-302021, Mob.: 9887734133, 8769421338 *(Dec.)*

★ **Paridhi Jain** D/o Late Sh. Dinesh Kumar Jain, DoB 25.03.1993 (at 9:20 am, Balghat, Dist. Sawai Madhopur), Height- 5'-3", Education- B.Tech (EC), Occupation- Sr. Data Analysts in TCS, Gurgaon, Gotra : Self- Bhataria, Mama- Kotia, Contact : Nidhi Jain (Jaipur) : 8003318081, Email : jainnidhi766@gmail.com *(Dec.)*

★ **Seema Jain** D/o Sh. Dinesh Chand Jain, DoB 06.03.1990 (at Jaipur), Height- 5'-2", Education- MCA, Gotra : Self- Belanvasiya, Mama- Bhatariya, Contact : B-34, Karamchari Colony, Alwar, Mob.: 7891002125, 9461774268, Email : jain2218@gmail.com *(Dec.)*

★ **Khushbu Jain** D/o Sh. Prakash Chand Jain, DoB 24.07.1994 (at 5:25 am, Bharatpur), Height- 5'-4", Fair Colour, Education- M.Sc., B.Ed. (Mathematics), Presently Working as Private Teacher in Silver Oak School, Alwar, Gotra : Self- Badwasiya, Mama- Kher, Contact : 2/240, Kala Kuan, Alwar, Mob.: 9413736672, 6377312109 *(Dec.)*

★ **Megha Jain** (Manglik) D/o Sh. Prakash Chand Jain, DoB 23.07.1993 (at 10:20 am, Alwar), Fair Complexion, Education- B.Com, Pursuing CA Final, Gotra : Self- Athwarsia, Mama- Ambia, Contact : FN 001, Galaxy Appartment, New Friends Colony, Jaipur Road, Alwar, Mob.: 9413025049, 7014958699 *(Dec.)*

★ **Deepti Jain** D/o Sh. Dinesh Chand Jain, DoB 15.03.1992 (at 7:15 am, Agra), Height- 5'-2", Education- M.Phill, M.A. & B.Ed, Occupation- Asstt. Teacher in Lt Grade, Goverment Inter College, Mathura, Gotra : Self- Bhadarwasia, Mama- Badwasia, Contact : Sh. Dinesh Chand Jain, 43/224, Jain Gali, Sikandra, Agra (U.P.), Mob.: 8445590908, 9837689334, Email : ashumdj1990@gmail.com *(Dec.)*

★ **Pooja Jain** D/o Sh. Kamal Kishore Jain, DoB 01.08.1991, Height- 5'-3", Education- M.A. (Hindi, Political Science), B.Ed, Gotra : Self- Daduriya, Mama- Nageshriya, Contact : Plot No. 14, Dronpuri Singh Marg, Jaipur, Mob.: 9461588831, 9314916286 *(Dec.)*

★ **Monika Jain** D/o Sh. Vijay Kumar Jain, DoB 11.01.1993, Height- 5'-3", Education- M.Com. FDMSD, Fair Colour, Gotra : Self- Choudbambar, Mama- Kotiya, Contact : 93/58, Agarwal Farm, Mansarovar, Jaipur, Mob.: 9799397701, Email : vijayjainraj@gmail.com *(Dec.)*

वधू की तलाश

कृपया दहेज लोभी पत्रिका में प्रकाशनार्थ विज्ञापन न भेजें

★ **प्राशु जैन** पुत्र श्री अनिल कुमार जैन, जन्मतिथि 22.05.1993 (प्रातः 9:05, फ़िरोज़ाबाद), लम्बाई– 5'–10'', शिक्षा– बी.कॉम, व्यवसाय– गवर्नमेंट कांट्रेक्टर, आय– 50,000/– प्रति माह, गोत्र : स्वयं– बारोलिया, मामा– गंगवाल, संपर्क : 58ए/36/1बी, जैन मंदिर के पीछे, ज्योति नगर, अर्जुन नगर, आगरा–282001, मो.: 9837662521, 9897492759 *(नवम्बर)*

★ **देवेश जैन** पुत्र श्री वीरेन्द्र कुमार जैन, जन्मतिथि 30.07.1992 (सायं 7:54), रंग गोरा, लम्बाई– 5'–10.5'', शिक्षा– बी.टेक, एम.बी.ए फाइनेंस, सी.एफ.ए. लेबिल रनिंग, बैंक ऑफ अमेरिका, गुडगांव इन्वेस्टमेन्ट बैंकिंग एनलायजिस्ट, पैकेज– 13.50 लाख

वार्षिक, गोत्र : स्वयं– चाँदपुरिया, मामा– बड़ोनिया, संपर्क : वीरेन्द्र जैन, चनाकोठार, कम्पू, ग्वालियर–474009, मो.: 9826074682 *(नवम्बर)*

★ **मंयक जैन** पुत्र श्री अक्षय कुमार जैन, जन्मतिथि 30.04.1991, कद– 6फुट, शिक्षा– बी.ए., पॉलिटेक्निक डिप्लोमा, व्यवसाय– रेडिमेड गारमेन्ट शॉप, आय– 25 हजार प्रति माह, गोत्र : स्वयं– चाँदपुरिया, मामा– बयानिया, संपर्क : 3–ई–1, दादाबाड़ी, कोटा, मो.: 8619111409, 9413201155 *(दिसम्बर)*

★ **पीयूष जैन** पुत्र श्री अभय जैन, जन्मतिथि 15.07.1986, कद– 5'–7'' (दोपहर 1:30 बजे, आगरा), शिक्षा– बी.कॉम., एमबीए, फेडरल बैंक में एसिसटेंट मैनेजर, गोत्र : स्वयं– बारौलिया, मामा– खैर, संपर्क : 2–बी–10, महावीर नगर तृतीय, कोटा, मो.: 9352602503 *(दिसम्बर)*

★ **Tarun Jain** S/o Sh. Anil Kumar Jain, DoB 10.10.1991 (at 10:35 AM, Alwar), Height 5'-8", Education- B.Tech/M.Tech from IIT Kharagpur, Occupation- Working in Amsterdam (Netherlands), Gotra : Self- Belanvasiya, Mama- Chorbambar, Contact : 71/248, Patel Marg, Mansarovar, Jaipur, Mob.: 9413305328, Email : cvinwrjp@gmail.com *(Nov.)*

★ **Sumit Jain** S/o Sh. Lochan Das Jain, DoB 05.06.1991 (at 7:30 pm, Morena), Height- 5'-9", Fair Complexion, Education- BE (Mech.) from IET (devi Ahilya Vishwavidyalaya), Indore, Occupation- Auditor in Ministry of Defence (Finance), Package 6.5 LPA, Gotra : Self- Baribar, Mama- Kashmiria, Contact : Near K.S. Mill Nainagarh Road, Morena (M.P), Mob.: 8463022852, 9755284934 *(Nov.)*

★ **Sharad Jain** S/o Sh. Madan Mohan Jain, DoB 07.02.1988 (at 1:10 am, New Delhi), Height- 5'-7", Education- MBA (Marketing), Working as Marketing Manager in Infedo Pvt. Ltd. having Income 16 LPA, Gotra : Self- Kotiya, Mama- Shreepat, Contact : 9971398320, 9811681949, Email : sharadjain_2009@live.com *(Nov.)*

★ **Vishal Jain** S/o Sh. Ashok Kumar Jain, DoB 08.08.1993 (at 4:40 AM, Bandikui (Dausa)), Height- 5'-7", Education- B.Com., M.Com., Gotra : Self- Chandpuriya, Mama- Shreepat, Profession- Jain General & Provision Store Bandikui, Income- 10 LPA, Contact : Jain Bhawan, Behind Panchayat Samiti, Ward No. 29, Bandikui, Mob.: 9414627193, 9784805709, 7014187585, Email : khushal.jain1212@gmail.com *(Nov.)*

★ **Anurag Jain** S/o Sh. Ashok Kumar Jain, DoB 23.03.1992 (at 11:26 pm), Height 5'-9.5", Education- M.Tech.(IT) from IIIT Allahabad, Occupation- Assistant Professor in Govt. Engg. College, Ajmer, Salary- Rs. 71,000 per month, Gotra : Self- Rajoriya, Mama- Baroliya, Contact : Seth Godam, Sainath Khirikiya, Karauli, Mob.: 9460952470, 9461152595 *(Nov.)*

★ **Nitin Jain** S/o Sh. Dilip Kumar Jain, DoB 10.09.1989 (at 11:45 pm, Agra), Height- 5'-6", Education- M.Com, B.Com, Occupation- Tender Manager in Private Limited Company, Gotra : Self- Sangeswariya, Mama- Rajoriya, Contact : 43/228, Jain Street, Sikandra, Agra- 282007, Mob.: 8171662074, 8279511785 *(Nov.)*

★ **Bipin Jain** S/o Late Sh. Shubhash Chand Jain, DoB 26.11.1989 (at 8:40 am, Agra), Height 5'-9", Education- M.Com, Occupation- Self Employed (Sales Tax And Income Tax), Gotra : Self- Kotiya, Mama- Nageshwariya, Contact : H.No. 30, Shanti Nagar, Opp. Raj Garden, Maruti Estate, Albatiya Road, Bodla, Agra, Mob.: 9410424715, 9368681313, 9368196568 *(Nov.)*

★ **Deepak Jain** S/o Late Sh. Mahendra Kumar Jain, DoB 04.07.1992 (at 02:40 pm, Mandawar Mahwa Road), Height- 5'-7", Education- B.A, Profession- Business (Iron & Hardware Shop), Income- 5 LPA, Gotra : Self- Badwasiya, Mama- Rajeshwari, Contact : Smt. Laita Jain, Mob.: 8290881975, 9413676243, Email : cpjain2185@gmail.com *(Nov.)*

★ **Nakul Jain** (Manglik) S/o Late Sh. Narendra Kumar Jain, DoB 28.03.1992 (at 1:45 pm, Rajkot Gujarat), Height 5'-1", Education- MBA (Finance), Occupation- Assistant Manager (Scale-1) in Nationalized Bank in Dwarka, New Delhi, Income 6LPA, Gotra : Mittal, Contact : Smt. Manju Jain, 18A, Dwarka, New Delhi-110078, Mob.: 9602064645, 8058001584 *(Nov.)*

★ **Himanshu** (Anshik Manglik) S/o Sh. A.K. Jain, DoB 14.03.1992 (at 2:55 PM), Height- 173 cms., Education- B.Com., MBA, Working as a Finance Executive in Global Indian International Pvt. Ltd., Noida, Income- 4 LPA, Gotra : Ambia, Contact : C-57, Anand Vihar Colony, Delhi-110092, Mob.: 9891205385, 9711886852, Email : jain57anil@gmail.com *(Nov.)*

★ **Anubhav Jain** S/o Sh. Arvind Kumar Jain, DoB 08.09.1992 (at 10:45 PM, Alwar), Height- 5'-7", Education- B.Tech, M.Tech, ICT Jaipur, Occupation- Senior Data Developer, Dunnhumby Gurugram, Package- 11 LPA, Gotra : Self- Janthuriya, Mama- Sagarwasiya, Contact : Sh. Arvind Kumar Jain, D-72, H.M.M Nagar, Alwar, Mob.: 9414367288 *(Nov.)*

★ **Ankit Jain** S/o Late Sh. Subhash Chand Jain, DoB 01.10.1990, Height- 5'-9", Fair Colour, Education- M.A., B.Ed., Working as First Grade School Lecturer (Chittorgarh), Salary 57,000/- Per Month, Gotra : Self- Gindoriya, Mama- Nangeswariya, Contact :

Mandawar (Dausa) 9694707750, 8058226112, Email-jainankit00310@gmail .com *(Nov.)*

★ **Manish Jain** S/o Sh. Diwan Kapoor Chand Jain, DoB 09.05.1988 (at 01:10 pm, Alwar), Height- 5'-6", Education- B.Tech (ECE) from NIT Jaipur, Gold Medalist, Presently Working as Sr. Lead UI/UX Associate at Noida, Package 32.5 LPA (Fixed component), Gotra : Self- Ambiya, Mama- Chaudhary, Contact : Diwan Ji Ki Haweli, Baderia Padi, In front of Saint Niwas, Alwar, Mob.: 6378381033, 9783565383, 7303079218, Email : manish9may@gmail.com *(Nov.)*

★ **Sparsh Jain** S/o Sh. Sunil Kumar Jain, DoB 16.08.1989 (at 4:30pm, Kherli) Height- 5'-3", Education- M.Com., Company Secretary, Working as Company Secretary in M/s. Dhabriya Polywood Ltd., Jaipur, Gotra : Self- Kotia, Mama- Dhati, Contact : B-48, Vidhya Nagar, Jagatpura, Jaipur, Mob.: 96602 55730, Email : skjainb48@gmail.com *(Nov.)*

★ **Abhilash Jain** S/o Sh. Surendra Kumar Jain, DOB 07.01.1993 (at 01:33 AM, Alwar), Height 5'-11", Education- B.Tech (E.C), Job- Software Engineer in HCL (Google), Gurgaon, Income- Rs. 4.50 LPA, Gotra : Self- Nageshwaria, Mama- Angrus, Contact : Sh. S.K. Jain, 3/61, NEB Housing Board, Alwar, Mob.: 9828865133, 8890566211 *(Nov.)*

★ **Kartik Jain** S/o Sh. Naresh Kumar Jain, DoB 23.08.1990 (at 10:40 pm, Kalol, Dist. Gandhi Nagar), Height- 5'-8", Education- B.Tech. (Electronics & Comm.), Working in Multinational Company QX in Ahmedabad, Gotra : Nolathia, Mama- Chandpuriya, Contact : A-201, Prathana Greens Society, Near Pramukh Aura, 'KH' Road, Saragasan Cross Road, Gandhi Nagar, Gujarat, Mob.: 9427626626, 9428910872, E-mail : ndjain2@gmail.com *(Nov.)*

★ **Nimesh Jain** S/o Sh. Anil Kumar Jain, DoB 12.05.1991 (at 6:30 am, Delhi), Height- 5'-9", Education- B.Com. MBA (Finance), Occupation- Own Business, Income 12 LPA, Contact : Sh. Anil Kumar Jain, 26/69, Shakti Nagar, Delhi-110007, Mob.: 9811076884 *(Nov.)*

★ **Anuj Jain** S/o Sh. Rakesh Kumar Jain, DoB 26.10.1991 (at 5:58 pm, Alwar), Height- 5'-11", Education- B.B.A., C.S. Executive Pass, Occupation- Business, Gotra : Ambia, Mama- Rajoriya, Contact : Mehtab Singh Ka Nohra, Kalawati Street, Alwar, Mob.: 9414018049, 8107606969 *(Nov.)*

★ **Shubham Babu Jain** (Manglik) S/o Sh. Sunil Kumar Jain, DoB 10.08.1993, Height- 5'-8", Colour Fair, Job- MCD in Licence Department and Self Company, Income- 50,000/- per month, Gotra : Padmavati, Contact : Riks Ganj, Fariha, Firozabad, Mob.: 9528335309, 7618554494 *(Nov.)*

★ **Dr. Piyush Jain** S/o Sh. Pavan Kumar Jain, DoB 10.01.1990 (at 3:45 am, Jaipur), Height- 5'-6", Education- MBBS from Medical College, Jodhpur, MS from JLN Medical College, Ajmer, Gotra : Bayania, Mama- Kotia, Contact : 64/314, Heera Path, Mansarovar, Jaipur, Mob.: 9460685452, 9413342332, 9829031972 *(Nov.)*

★ **Bhupendra Jain** S/o Sh. Paras Chand Jain, DoB 05.02.1990, Education- MA, B.Ed., LLB, Occupation- Advocate in Rajasthan High Court at Jaipur Bench, Gotra : Pawatiya, Mama- Nageswariya, Contact : E-119, Vaishali Nagar, Jaipur, Mob.: 8905927688, 9636422416 *(Nov.)*

★ **Sonu Jain** (Anay Jain) S/o Sh. Kedar Chand Jain, DoB 01.05.1986 (at 5:45 am, Alwar), Height- 5'-7", Education- M.Com., Diploma in Industrial Computer Accountant (ICA), Occupation- Sr. Accountant in Construction Company, Package- 5.75 LPA, Gotra : Self- Choudhary, Mama- Salavadiya, Contact : 429, Vijay Nagar, Alwar-301001, Mob.: 9314490659, 9351409005 *(Nov.)*

★ **Ashish Jain** S/o Sh. Pawan Kumar Jain, DoB 01.04.1990 (at 1:55 PM, Kota), Height- 5'-5.5", Education- B.Tech. (Civil), Occupation- Project Engineer in a renowned Construction Co. at Silvassa, Income- 6.30 LPA, Gotra : Self- Chaurbambar, Mama- Kathumaria, Contact : 36, Basant Vihar Special, Behind Modi College, Kota-324009, Mob.: 9829242662, 6376463993, Email : pawankumarjain56@yahoo.com, pawan42662@gmail.com *(Nov.)*

★ **Ravi Jain** S/o Sh. Pradeep Jain, DoB 12.9.1986 (at 7:30pm, Kota), Height- 5'-8", Education- BE (Electrical), Job- Engineer at Hind Construction Ltd., Income 5 LPA, Gotra : Self - Chaurbambar, Mama- Baderiya, Contact : Behind Sarvodaya Convent School, Adarsh Colony, Kherli Phatak, Kota-324001, Mob.: 9928888727, 8209471961, Email : neetajainkota1@gmail.com *(Nov.)*

★ **Pavan Kumar Jain** S/o Sh. Jainendra Kumar Jain, DoB 12.03.1990, Height 5'-5", Education- B.A. & ITI (Electrician), Occupation- Retail Shop Keeper, Nithar, Gotra : Self- Pawatiya, Mama- Rajoria, Contact : Vill. Nithar, Teh.- Bhusawar, Dist. Bharatpur-321409, Mob.: 7597270830 *(Nov.)*

★ **Rahul Jain** S/o Sh. Sheel Chand Jain, DoB 19.08.1990 (at 05:00 pm), Height- 5'-9", Educational- M.Com from IGNOU, Occupation- Working in Magic Auto Pvt Ltd. (Maruti Authorised Dealership) as a Team Manager, Salary Package 5.25 LPA, Gotra : Self- Mundare, Mama- Ved Varashtak, Contact : RZG-98B, 1st Floor, Gali No.6, Near Shyam Mandir, Rajnagar Part-II, Palam

Colony, New Delhi-110077, Mob.: 9718967990, 9911218537, Email : rrjain619@gmail.com *(Nov.)*

★ **Gourav Jain** S/o Sh. Bhag Chand Jain, DoB 15.11.1991, Height- 5'-8", Educational- B.Com., MBA (Marketing), Occupation- Working with HDFC Bank (PB), Gotra : Self- Bhadkoliya, Mama- Mahatiya, Contact : Shree Anoop Electricals, Kathumar Road, Kherli, Alwar, Mob.: 8949119922, 9414796449 *(Nov.)*

★ **Arihant Jain** S/o Sh. S.K. Jain, DoB 03.06.1990 (at 8:46 am, Aligarh), Height- 5'-3.5", Educational- B.Tech. (Electronics), MBA (Marketing), Occupation- Dy. Manager in M/s National Payment Corporation of India (under Reserve Bank of India), Mumbai, Income- 7.50 LPA, Gotra : Self- Sattaria, Contact : Flat No. 603, Bldg. No. 5, Kenwood Park, Mira Bhayander Road, Mira Road (East), Distt. Thane-401107, Maharastra, Ph.: 02228127404, Mob.: 9969019635, Email : skjain5607@yahoo.in *(Nov.)*

★ **Sudhir Jain** S/o Sh. Sumer Chand Jain, DoB 17.03.1988 (at Alwar), Height 5'-11", Education- M.Com, MBA, LLB, Occupation- Working in NBC Bearings, Jaipur (C. K. Birla Group), Gotra : Self- Sangarwasiya, Mama- Chaudhary, Contact : 213, Vivek Vihar, Scheme No. 10A, Distt. Alwar-301001, Mob.: 9982154002 *(Nov.)*

★ **Ropil Jain** S/o Sh. Vijay Chand Jain, DoB 25.10.1990 (at Bharatpur), Height- 5'-6", Education- B.Tech. (E.C.E), Occupation- Working as Web Developer in Appic Softwares, Jaipur, Income- 3 LPA, Gotra : Self- Kheir, Mama- Behatyaria, Contact : Goverdhan Mod, Near Jain Mandir, Deeg (Bharatpur), Mob.: 9509051123, 8413160941 *(Nov.)*

★ **Akash Jain** S/o Sh. Rishabh Chand Jain, DoB 12.11.1993, Height 5'-8", Education- M.Sc., B.Ed., M.Ed. (Pursue), Teacher in Northern Railway School, Tundla, Income 6 LPA, Gotra : Self- Januthariya, Mama- Rajoriya, Contact : H.No. 1454, Avas Vikas Colony, Sector-7, Agra, Mob.: 9897710872 *(Dec.)*

★ **Anubhav Jain** S/o Sh. Arvind Kumar Jain, DoB 08.09.1992 (at 10:45 PM, Alwar), Height 5'-7", Education- B.Tech., M.Tech, ICT Jaipur, Occupation- Senior Data Developer, Dunnhumby Gurugram, Package 11 LPA, Gotra : Self- Janthuriya, Mama- Sagarwasiya, Contact : D-72, H.M.M Nagar, Alwar, Mob.: 9414367288 *(Dec.)*

★ **Ankit Jain** S/o Sh. Ashok Kumar Jain, DoB 20.01.1987, Height 5'-6", Education- Bachelor of Arts, Extra Qualification- Computer Hardware & Installation, Gotra : Self- Khair, Maternal- Kashmiriya, Occupation- Operation Executive in ESS KAY Fincorp Ltd., Adarsh Plaza, Khasa Kothi Circle, Bani Park, Jaipur, Salary- 35000/-pm with Incentive, Contact : E-638, Ranjeet Nagar, Bharatpur (Raj.), Mob.: 6376309175, 9461052948 *(Dec.)*

★ **Tarun Jain** (Manglik) S/o Sh. Ravindra Kumar Jain, DoB 02.05.1988 (at 9:30am, Gangapur City), Height 5'-3", Education- B.Tech. (CS), Self Buisness- Patanjali Store & Distributorship, Income 4 LPA, Gotra : Self- Barwasia, Mama- Bhorangiya, Contact : 202, Manak Bhawan, Janak Puri, Mala Road, Kota Jn., Mob.: 9413276409, 9462633921 *(Dec.)*

★ **Prince Kumar Jain** (Manglik) S/o Sh. Yogesh Chand Jain, DoB 02.03.1989, Height 5'-6", Education- MBA, Working as Relationship Officer (Finance) in AU Finance India Ltd., Alwar, Package 4 LPA, Gotra : Self- Bayaniya, Mama- Maimunda, Contact : C-326, Surya Nagar, Alwar (Raj), Mob.: 9414857271 *(Dec.)*

★ **Rohit Jain** S/o Sh. Gajendra Kumar Jain, DoB 05.10.1990 (at 7:25pm, Kota), Height- 5'-11", Education- B.Tech., NIT Allahabad, Currently Working with Zest Money, Income 28LPA, Located in Bengaluru, Gotra : Self- Baderia, Mama- Baroliya, Contact : 9425842898 *(Dec.)*

★ **Sameer Jain** S/o Sh. Ashok Jain, DoB 20.11.1986 (at 10:10 AM, Alwar), Height- 6 Ft., Education- B.Tech (IT), Occupation- IT Professional in Jaipur, Gotra : Self- Mastdengiya Choudhary, Mama- Sarngdengiya, Contact : 422, Lajpat Nagar, Alwar-301001, Mob.: 9461334271, 9413024271, Email : ashokjainschalwar@gmail.com *(Dec.)*

★ **Nilesh Jain** S/o Sh. Rajendra Kumar Jain, DoB 30.06.1985 (at 1:22 pm, Ajmer), Height 5'-8", Education- M.Com., MBA, Occupation- Working as a State Head at Manba Finance Ltd. Co. Jaipur, Income- 10.50 LPA, Gotra : Self- Maimunda, Mama- Chorbambar, Contact : 11/40, Kaveri Path, Mansarovar, Jaipur, Mob.: 9983444198, 9928954688 *(Dec.)*

★ **Saurabh Jain,** DoB 24.12.1989 (at Bharatpur), Height 5'-8", Education- MCA, Occupation- Outstrip Infotech Pvt. Ltd., Gotra : Self- Kotia, Mama- Kher, Contact : Sh. Om Prakash Jain (Retd. Tehsildar), Jain Bhawan, Near Asim Kripa Guest House, Pai Bagh, Bharatpur, Mob.: 9785566636, 9928529444 *(Dec.)*

★ **Tarun Jain** S/o Sh. Deep Chand Jain, DoB 06.09.1989 (at 10:00 pm, Kherli), Height 5'-7", Education- MCA, Occupation- Web Designer Developers, Income- 3.60 LPA, Gotra : Self- Salavadia, Mama- Bahatariya, Contact : Sh. Deep Chand Jain, 3/176, Kala Kuna Housing Board, Alwar, Mob.: 941499682 *(Dec.)*

★ **Puru Jain** S/o Sh. Anil Kumar Jain, DoB 23.05.1992

(at 3:20 am, Kota), Height- 5'-8", Education- B.Tech (CS), Occupation- Associated Engineer in Elenjical Solution (S. Africa) Company at Mumbai, Package 15 LPA, Gotra : Self- Gandharve, Mama- Baroliya, Contact : Sh. Anil Kumar Jain, Eakta Cottage, Enited Colony, Opp. Petrol Pump, Station Road, Kota Jn., Mob.: 9460813350, 9460813349 *(Dec.)*

★ **Himanshu Jain** S/o Sh. Surendra Kumar Jain, DoB 30.07.1992 (at 11.00 PM), Height- 5'-7", Fair Colour, Educational- M.Com., Occupation- Consultancy in the field of Taxation IncomeTax, GST other work related to taxation, Gotra : Self- Lohkarodia, Mama- Salavadiya, Contact : C-158, Ranjeet Nagar, Bharatpur-321001, Ph.: 05644-237035, Mob.: 9413309050 *(Dec.)*

★ **Bhanesh Jain** (Bhanu Jain) S/o Sh. Mahesh Chand Jain, DoB 27.07.1989, Height- 5'-4", Education- DRT (Diploma in Radiation Technology), Profession- Working as Radiographer in Govt. TV Hospital, Jaipur, Gotra : Self- Nangesuria, Mama- Rajoriya, Contact : Near New Telephone Exchange, Siddhartha Nagar, Hindaun City, Karauli-322230, Mob.: 9413182622, 9460441986, Email : bhaneshjain@gmail.com *(Dec.)*

★ **Vijay Jain** (DevkiNandan) (Divorcee) S/o Sh. Mahesh Chand Jain, DoB 11.11.1985 (at 12.45pm, Hindaun City), Height- 5'-8", Education- MCA (IIIM Mansrover, Jaipur) in IGNOU, Profession- Working at Triazine Software Pvt. Ltd. as Software Engineer, Income- 7.00-7.50 LPA, Gotra : Self- Nangesuria, Mama- Rajoriya, Contact : Near New Telephone Exchange, Siddhartha Nagar, Hindaun City, Karauli-322230, Mob.: 9468585522, 9460441986, Email : jain.vijay605@ gmail.com *(Dec.)*

★ **Saurabh Jain** S/o Sh. Yogesh Jain, DoB 16.12.1989 (at 02:31 pm, Agra), Height: 5'- 8", Education: B. Tech, Occupation: Guard (Train Manager) in Indian Railway (Govt. Job), Gotra: Self- Sarang, Mama- Nageshwaria, Contact: 15, Subhash Nagar, Near Maruti Estate, Bodla, Agra, Mob.: 7520519414, 8410756875 *(Dec.)*

★ **Rahul Jain** S/o Sh. Vijay Kumar Jain, DoB 27.08.1994, Height 5'-7", Education- B.Com., MBA, Working in HDFC Bank Ltd., Agra, Salary- Rs. 20,000/- p.m., Gotra : Self- Bhadarwasia, Mama- Gindora Bux, Contact : 43/223, Near Jain Mandir, Jain Gali, Sikandra, Agra-282007, Mob.: 9897303171, E-mail : abhajain2018@gmail.com *(Dec.)*

★ **Karan Jain** S/o Sh. Pankaj Jain, DoB 07.07.1994 (at 10:16 pm, Agra), Height- 5'-6", Education- B.Com., Occupation- Businessman, running his own factory, Pankaj Industries, Gotra : Palliwal, Contact : Flat No. 305, IIIrd Floor, Aashirwad Residency, New Vijay Nagar Colony, Agra -282004, Mob.: 9319795225, 9258547100 *(Dec.)*

★ **Kapil Kumar Jain** S/o Sh. Dinesh Chand Jain, DoB- 04.03.1993 (at 11 :30 am, Jaipur), Height 5'-5", Gotra : Self- Khair, Mama- Nangeshweria, Education- Polytechnic Diploma (Mechanical Engineering), Computer Diploma + RS-CIT, Graduation Degree, Occupation- Working in a Private Company (Jaipur), Contact : H.No. 245, Shiv Colony, Mehandipur Balaji, Dausa, Mob.: 9829428416, 9784761984, 8955011011 (Whatsapp), Email : jkapil040@gmail.com *(Dec.)*

★ **Prakshal Jain** S/o Sh. Vijay Kumar Jain, DoB- 30.08.1992 (at 8:15 am), Height 6'-2", Educational- DISA, CCA, CA, CS, B.Com., Occupation- Partner in CA Firm, Rajvanshi & Associates, Jaipur, Gotra : Self- Rajoria, Mama- Bhatariya, Contact : Sh. Vijay Kumar Jain, Advocate Raj. High Court Jodhpur, House No. 16/538, Chopasani Housing Board, 17 Sector, Main Road, Behind Shri Riddhi Siddhi Ganesh Temple, Jodhpur-342008, Ph.: 0291-2753457, Mob.: 9413649165, Whatsapp No.: 8107593346, Email : prakshaljain27@gmail.com *(Dec.)*

★ **Palak Jain** DoB- 19.11.1991 (at 2:35 pm), Height- 5'-7", Education- B.Com., MBA, Occupation- Working as a Process Analyst in Tata Consultancy Service, Ahmedabad, Package 4.20 LPA, Gotra : Self- Baderia, Mama- Barolia, Contact : Sh. Mishri Lal Ji Jain, H.No. 1724, Sector-7, Avas Vikas Colony, Bodla, Agra-282007, Mob.: 9319179796, 9758010189 *(Dec.)*

★ **Deepak Jain** S/o Late Sh. Narendra Kumar Jain, DoB- 07.09.1989, Height- 5'-11", Education- B.A., ITI, Occupation- Self Business (Deepak Ref. and Electricals, Kekadi), Gotra : Self- Kotiya, Mama- Ladoriya, Contact : H.No. 17, Infront of Bajaj Mill, Krishna Nagar, Ajmer Road, Kekadi, Dist. Ajmer-305407, Mob.: 9214923269 *(Dec.)*

★ **Naveen Kumar Jain** S/o Sh. Dharam Chand Jain, DoB- 12.07.1989, Height- 5'-6", Education- Sr. Secondary, Income- 3 LPA, Gotra : Self- Dhati, Mama- Salabdiya, Contact : Vill. Bonl, Tehsil Todabhim, Dist. Karauli, Mob.: 9571007230, 7976036315, Email : jainmahwa@gmail.com *(Dec.)*

★ **Dinesh Jain** S/o Sh. Nirmal Kumar Jain, DoB- 10.05.1991, Height- 5'-10", Education- B.Tech. (Hons.), Occupation- Software Engineer at Banglore, Income- 23 LPA, Gotra : Self- Bahatria, Contact : Gandhi Path (W), Vaishali Nagar, Near Nymph Academy, Jaipur, Mob.: 9829180215, 6376320944 *(Dec.)*

* * * * *

TRAFO POWER & ELECTRICALS PVT. LTD.
AN ISO 9001:2008 COMPANY
TRAFO
PRODUCTS
-POWER & DISTRIBUTION TRANSFORMERS
-PRESSED STEEL RADIATORS
-SPECIAL PURPOSE TRANSFORMERS
-PACKAGE SUBSTATION
CONTACT
Trafo Power & Electricals Pvt. Ltd.
C-20 Site-C U.P.S.I.D.C., Industrial Area, Sikandra,
Agra, Uttar Pradesh -282007, India
Phone No : +91-562-3290391
Fax : +91-562-2640388
E-mail : info@trafo.co.in

KOTSONS

POWER & DISTRIBUTION

TRANSFORMERS

Export Award Winners

ACHIEVED **100%** GROWTH IN A SINGLE YEAR

KOTSONS PVT. LTD.

(AN ISO 9001 : 2008 & ISO 14001 : 2004 CERTIFIED COMPANY)

C-21, U.P.S.I.D.C., SITE- C, SIKANDRA,
AGRA - 282007 (U.P.) INDIA
Tel. : +91-562-3641818, 2641422
Fax : +91-562-2642059
e-mail : kotsons@kotsons.com
website : www.kotsons.com
Work at : Agra, Alwar & Uttaranchal

DNV

Accredited by the RvA

ISO 9001 QUALITY CERTIFIED
CERTIFICATE No. QSC-3360

RNI NO. RAJHIN/2012/47438 Postal Registration No. JAIPUR CITY/434/2019-21

RERA Registration No.
RAJ/P/2019/1054
www.rera.rajasthan.gov.in

Pearl
Build Trust & Loyalty

Pearl
FORTUNE
3 BHK Boutique Apartments

Your perfect home is now
at a landmark address.

16 Smart Home • 3 BHK • Vastu Friendly | Site : B-138, Mangal Marg, Bapu Nagar, Jaipur

Pearl
Build Trust & Loyalty

Pearl India Buildhome (P) Ltd.
"Pearl Suryavanshi", 401, A-5, Sardar Patel Marg,
C-Scheme, jaipur - 302001. INDIA, Ph.: +91 141 4014044

Dr. Raj Kumar Jain +91 9414054745
Ar. Vijay Kumar Jain +91 9829010092

2 Decades of Excellence | 3600 Villas + Plots | More than 500 Apartments | 22 Pearl Tower | 6 Townships

PRINTED MATTER
If Undelivered, please return to
श्री चन्द्रशेखर जैन *(संयोजक)*
86, श्री विहार कॉलोनी होटल क्लार्क
आमेर के पीछे, जे.एल.एन. मार्ग,
जयपुर-302018 (राज.)

पत्रिका स्वामी - अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा (रजि.) के लिए मुद्रक/प्रकाशक श्री चन्द्रशेखर जैन, 86, मंगल विला, श्री विहार कॉलोनी, होटल क्लार्क आमेर के पीछे, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर-302018 ने गणेश आर्ट प्रिंटर्स, जे-51, कृष्णा मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर से मुद्रित, सम्पादक : श्री प्रकाश चन्द जैन।